पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VII

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

Semester-1

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	➢ **कविता -1= हम पंछी उन्मुक्त गगन के** ➢ व्याकरण = भाषा ,लिपि ,व्याकरण ➢ लेखन -विभाग = अनुच्छेद ➢ **पाठ -2 दादी माँ** ➢ व्याकरण = उपसर्ग ,प्रत्यय ➢ लेखन -विभाग = पत्र लेखन ➢ बाल महाभारत = पाठ -1,2,3,4,5
2	जून	➢ **पाठ -3 = हिमालय की बेटियाँ** ➢ व्याकरण = संधि और संधि विच्छेद ➢ लेखन = संवाद लेखन ➢ **कविता -4= कठपुतली** ➢ व्याकरण = सर्वनाम ➢ लेखन = अनुच्छेद ➢ **पाठ-5= मिठाईवाला** ➢ लेखन = सूचना लेखन ➢ बाल महाभारत =पाठ -6, 7, 8, 9, 10
3	जुलाई	➢ **पाठ-6= रक्त और हमारा शरीर** व्याकरण = कारक लेखन = सूचना लेखन ➢ **पाठ-7= पापा खो गए** व्याकरण = काल लेखन = विज्ञापन ➢ **कविता -8= शाम एक किसान** लेखन = निबंध बाल महाभारत=पाठ-11, 12, 13, 14, 15
4	अगस्त	➢ **पाठ-9= चिड़ियाँ की बच्ची** ➢ व्याकरण = मुहावरे ➢ लेखन = कहानी लेखन ➢ **पाठ-10= अपूर्व अनुभव** लेखन =विज्ञापन ➢ बाल महाभारत = पाठ-16,17,18,19,20
5	सितम्बर	➢ **पुनरावर्तन**

कविता-1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के
(कवि - शिवमंगल सिंह सुमन)

➢ **कविता का सारांश-** कवि शिवमंगल सिंह सुमन ने हम पंछी उन्मुक्त गगन के कविता में पक्षियों के जरिये स्वतंत्रता के महत्व का वर्णन किया है। कविता में पक्षी कहते हैं कि हम खुले आसमान में घूमने वाले प्राणी हैं, हमें पिंजरे में बंद कर देने पर हम अपने सुरीले गीत नहीं गा पाएंगे। हमें सोने के पिंजरे में भी मत रखना, क्योंकि हमारे पँख पिंजरे से टकराकर टूट जाएंगे और हमारा जीवन ख़राब हो जाएगा। हम स्वतंत्र होकर नदी-झरनों का जल पीते हैं, पिंजरे में हम भला क्या खा-पी पाएंगे। हमें गुलामी में सोने के कटोरे में मिले मैदे से ज्यादा, स्वतंत्र होकर कड़वी निबौरी खाना पसंद है। आगे कविता में पंछी कहते हैं कि पिंजरे में बंद होकर तो पेड़ों की ऊँची टहनियों पर झूला झूलना अब एक सपना मात्र बनगया है। हम आकाश में उड़कर इसकी हदों तक पहुंचना चाहते थे। हमें आकाश में ही जीना-मरना है। अंत में पक्षी कहते हैं कि तुम चाहे हमारे घोंसले और आश्रय उजाड़ दो। मगर, हमसे उड़ने की आज़ादी मत छीनो, यही तो हमारा जीवन है।

➢ नए शब्द

1) उन्मुक्त
2) पिंजराबद्ध
3) कनक
4) श्रंखला
5) पुलकित
6) क्षितिज
7) फुगनी
8) नीड़

शब्दार्थ

1) उन्मुक्त = आजाद
2) पिंजराबद्ध = पिंजरे में कैद
3) कनक = स्वर्ण
4) पुलकित = खुशी से झुमना
5) निबोरी = नीम का फल
6) स्वर्ण श्रंखला = सोने की तीलियाँ
7) फुगनी = पेड़ की सबसे ऊंची डाली
8) क्षितिज = जहाँ धरती आसमान मिलते हो
9) नीड़ = घोसला
10) आश्रय = रहने का ठिकाना
11) विघ्न = बाधा

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

1) पक्षी कहाँ का जल पीना पसंद करते हैं?

(a) नल का जल (b) वर्षा का जल
(c) नदी-झरनों का जल (d) पिंजरे में रखी कटोरी का जल

2) बंधन किसका है?

(a) स्वर्ण का (b) श्रृंखला का
(c) स्वर्ण श्रृंखला का (d) मनुष्य का

3) लंबी उड़ान में क्या-क्या संभावनाएँ हो सकती थीं?

(a) क्षितिज की सीमा मिल जाती
(b) साँसों की डोरी तन जाती
(c) ये दोनों बातें हो सकती थीं
(d) कुछ नहीं होता

4) पक्षी क्यों व्यथित हैं?

(a) क्योंकि वे बंधन में हैं
(b) क्योंकि वे आसमान की ऊँचाइयाँ छूने में असमर्थ हैं
(c) क्योंकि वे अनार के दानों रूपी तारों को चुगने में असमर्थ हैं
(d) उपर्युक्त सभी

5) पिंजरे में रहकर पक्षी क्या नहीं कर पाएंगे?

(a) गा नहीं पाएँगे (b) उड़ नहीं पाएंगे
(c) कुछ खा नहीं पाएँगे (d) उपर्युक्त सभी

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

प्रश्न-1 पंछी अपना मधुर गीत कब नहीं गए पाएँगें?

उत्तर- पंछी अपना मधुर गीत पिंजरे में बंद होकर नहीं गए पाएँगें।

प्रश्न-2 पंछी कहाँ का जल पीना पसंद करते हैं?

उत्तर - पंछी नदी और झरनों का बहता जल पीना पसंद करते हैं।

प्रश्न-3 पंछियों के लिए पिंजरे में रखे मैदा से बेहतर क्या है?

उत्तर - पंछियों के लिए पिंजरे में रखे मैदा से बेहतर नीम का फल है।

प्रश्न-4 पंछियों के अरमान क्या थे?

उत्तर - पंछियों के आकाश की सीमा तक उड़ने के अरमान थे।

प्रश्न-5 पंछी कैसा जीवन चाहते हैं?

उत्तर - पंछी एक स्वतंत्र जीवन चाहते हैं।

प्रश्न-6 पंछी क्या खाते पीते हैं?

उत्तर - पंछी बहता हुआ जल पीते हैं और पेड़ पे लगे हुए फल खाते हैं।

प्रश्न-7 पिंजरे में पंख फ़ैलाने पर पंछियों की क्या दशा होगी?

उत्तर - पिंजरे में पंख फ़ैलाने पर पंछियों के पंख पिंजरे के सलाखों से टकराकर टूट जायेंगें।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पिंजरे में पंछी क्या-क्या नहीं कर सकते?

उत्तर - पिंजरे में पंछी पंख नहीं फैला सकते, ऊँची उड़ान नहीं भर सकते, बहता जल नहीं पी सकते और पेड़ों पर लगे हुए फल नहीं खा सकते।

प्रश्न-2 कविता में पंछी क्या याचना कर रहें हैं?

उत्तर - कविता में पंछी याचना कर रहे हैं कि चाहे उनके घोंसलें तोड़ दें या चाहे उनके टहनी के आश्रय छिन्न भिन्न कर दें पर जब उन्हें पंख दिए हैं तो उनके उड़ान में विघ्न न डालें।

प्रश्न-3 इस कविता के माध्यम से पंछी क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर - इस कविता के माध्यम से पंछी यह संदेश देना चाहते हैं कि स्वंतत्रता सब को प्रिय होती है और स्वंतत्र रह कर ही हम अपने सभी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं।

प्रश्न-4 हर तरह की सुख सुवधाएं पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर - हर तरह की सुख सुवधाएं पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता पसंद हैं, वह बंधन में नहीं रहना चाहते। वह खुल कर आकाश में उड़ना चाहते हैं।

प्रश्न-5 पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन - कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे?

उत्तर - पक्षी उन्मुक्त रहकर बहता हुआ शीतल जल पीना, कड़वे निबौरी के फल खाना, पेड़ की सबसे ऊंची टहनी पर झुलना, खुले आसमान में उड़ना तथा क्षितिज के अंत तक उड़ने की इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे ।

भाव स्पष्ट कीजिए -

"या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसो की डोरी

उत्तर - इन पंक्ति में पंछी क्षितिज की सीमा तक उड़ जाने की या अपने प्राण त्याग देने की इच्छा रखते हैं।

व्याकरण

भाषा , लिपि और व्याकरण

- **भाषा** - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।
- **भाषा के रूप**

भाषा के दो रूप हैं-

1) **मौखिक भाषा** – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।
2) **लिखित भाषा** – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

- **लिपि** – भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

- **व्याकरण** – व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली भाँति समझाना। भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

लेखन विभाग

अनुच्छेद

➢ समय का सदुपयोग

मनुष्य अपने जीवन में बहुत कुछ कमाता है और बहुत गँवाता है। उसे प्रत्येक वस्तु परिश्रम के उपरांत प्राप्त होती है, परंतु प्रकृति ने उसे समय का अमूल्य उपहार मुफ़्त दिया है। इस उपहार की अवहेलना करके उसकी महत्ता न समझने वालों को एक दिन पछताना पड़ता है क्योंकि गया समय लौटकर वापस नहीं आता है। जो समय बीत गया उसे किसी हाल में लौटाया नहीं जा सकता है।समय का नियोजन न करने वालों को समय पीछे ढकेल देता है और समय का सदुपयोग करने वाले सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते हैं।महापुरुषों की सफलता का रहस्य उनके द्वारा समय का नियोजन ही है जिससे वे समय पर अपने काम निपटा लेते हैं। गांधी जी समय के एक-एक क्षण का सदुपयोग करते थे। वे अपनी दिनचर्या के अनुरूप रोज़ का काम रोज़ निपटाने के लिए तालमेल बिठा लेते थे। विद्यार्थी जीवन में समय का सदुपयोग और उसके नियोजन का महत्त्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी काल में उसे विद्यार्जन के अलावा शारीरिक और चारित्रिक विकास पर भी ध्यान देना होता है।समय का महत्त्व और मूल्य समझकर हमें इसका अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। वे अपने समयानुसार आते-जाते रहते हैं। यह तो व्यक्ति के विवेक पर निर्भर करता है कि वे उनका उपयोग करते हैं या सदुपयोग। समय के बारे में एक बात सत्य है कि समय किसी की भी परवाह नहीं करता। यह किसी शासक, राजा या तानाशाह के रोके नहीं रुका है। जिन लोगों ने समय को नष्ट किया है, समय उनसे बदला लेकर एक दिन उन्हें अवश्य नष्ट कर देता है।हमें समय का उपयोग करते हुए सफलता अर्जित करने का प्रयास करना चाहिए।

➢ **गतिविधि** - आजाद पक्षियों का चित्र बनाए |

पाठ -2 दादी माँ

(लेखक - शिवप्रसाद सिंह)

➢ दादी माँ पाठ का सार

दादी के स्वर्गवास का पत्र पढकर लेखक हैरान रह गया और दादी माँ के जीवन से जुड़ी घटनाएँ चलचित्र की भांति उसकी आँखों के सामने आने लगीं। गाँव का दृश्य|अचानक ही लेखक के सामने साकार हो उठा। आश्विन के दिन गांव के चारों ओर पानी ही पानी का हिलोरें लेना, दूर के नाले से बहकर अनेक प्रकार की सड़ी-गली घासों व नाना प्रकार के बीजों का बहकर आना, पानी का बदबू मारना गाँव के तालाबों में लड़कों का धमाक से कूदना, याद आने लगा। गाँव में इन गंध भरे जलाशयों में नहाने की मुख्य चाह सभी में विद्यमान रहती थी। लेकिन लेखक को बचपन की वह घटना भी नहीं भूलती कि एक बार उसे ज्वर था तो वह इस तालाब में नहाने का आनंद न ले सका उसे बहुत दुख हुआ था |वैसे तो यह माना जाता था कि दादी माँ कोई काम नहीं करतीं लेकिन घर का व बाहर का सभी कार्य दादी माँ के बिना अधूरा रहता था। छोटे-बड़े कामों में दादी की उपस्थिति व सलाह अनिवार्य थी। गीली साड़ी में ही 'दीया' जलाकर पूजा करना दर्शाता है कि वे धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। दादी माँ की मृत्यु का पत्र पढ़ते ही लेखक के सामने दादी का चित्र सजीव हो उठा था। वह उनकी याद में एकदम उदास हो गया।

➢ नए शब्द

1) अनमना
2) धुंधली
3) सिवान
4) ज्वर
5) लवंग
6) तिताई
7) विहल
8) वात्याचक्र
9) सहेजना
10) धूमिल

➢ शब्दार्थ

1) अनमना = उदास
2) धुंधली = अस्पष्ट
3) सिवान = गाँव के सीमा की जमीन
4) लाई = खील
5) ज्वर = बुखार
6) विसूचिका = हैजा
7) लवंग = लौंग
8) तिताई = तीखापन
9) निस्तार = उद्धार
10) चारा = उपाय
11) विहल = बहुत प्रसन्न
12) धूमिल = धुए जैसा

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) लेखक की कमज़ोरी क्या थी?

(a) घर न जाने की
(b) घर में लड़ाई-झगड़े करने की
(c) घर की याद सताने की
(d) घर पर सोते रहने की

2) दादी माँ का व्यक्तित्व कैसा था?

(a) स्नेह और ममता भरा
(b) क्रोधपूर्ण
(c) झगड़ालु
(d) चिढ़चिढ़ा

3) दादी माँ क्यों उदास रहती थी?

(a) पड़ोसियों से झगड़ा होने के कारण
(b) अपने पुत्र द्वारा अपमानित करने के कारण
(c) दादा जी की मृत्यु हो जाने के कारण
(d) पुत्र की मृत्यु हो जाने के कारण

4) पाठ में बच्चे किस महीने में झागदार पानी में नहाते थे?

(a) आषाढ़
(b) माघ
(c) क्वार
(d) भादो

5) विवाह से चार-पाँच दिन पहले औरतें क्या करती थीं?

(a) भजन
(b) भोजन
(c) अभिनय
(d) रात भर गीत गाती थी

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में किस महीने में खेलतें हैं?

उत्तर- गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में क्वार के महीने में खेलतें हैं।

प्रश्न-2 दादी माँ ज्वर का अनुमान कैसे लगाती थीं?

उत्तर - दादी माँ छू-छूकर ज्वर का अनुमान लगाती थीं।

प्रश्न-3 दादी माँ कौन से जल से नहाकर आई थीं?

उत्तर - दादी माँ जलाशय के झागभरे जल से नहाकर आई थीं।

प्रश्न-4 दादी माँ बीमार लेखक के लिए क्या ले कर आई थीं?

उत्तर - दादी माँ बीमार लेखक के लिए अदृश्य शक्तिधारी के चबूतरे की मिट्टी लाई थीं।

प्रश्न-5 बरबस लेखक की आँखों के सामने किसी की धुँधली छाया नाच उठती है?

उत्तर - बरबस लेखक की आँखों के सामने दादी माँ की धुँधली छाया नाच उठती है।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 दादी माँ का व्यवहार कैसा था?

उत्तर - दादी माँ बाहर से कठोर और अंदर से कोमल स्वभाव की थीं। वे स्नेह, ममता, और त्याग की मूर्ति थीं। वह हमेशा दूसरों की मदद करती थीं।

प्रश्न-2 दादी माँ को बिमारियों के उपचार के संबंध में क्या जानकारी थी?

उत्तर - दादी माँ को गाँव की पचासों किस्म की दवाओं के नाम याद थे। भूत से लेकर मलेरिया, सरसाम, निमोनिया तक का अनुमान वह विश्वास के साथ सुनाती थी। महामारी और विशूचिका के दिनों में वह साफ़ सफाई का खास ध्यान रखती थी।

प्रश्न-3 दादी माँ के लिए दादा जी द्वारा दिए कंगन का क्या महत्व था?

उत्तर - दादी माँ को वह कंगन दादा जी ने पहनाए थे और उनकी भावनाएँ उस कंगन से जुडी हुई थी। वह कंगन उनके वंश की निशानी थी इसलिए वह उसे सहेजकर रखती आई थीं।

प्रश्न-4 लेखक को चादर में बड़ी हँसी आ रही थी परन्तु वो हँसना क्यों नहीं चाहता था?

उत्तर- लेखक को चादर में बड़ी हँसी आ रही थी परन्तु वो हँसना इसलिए नहीं चाहता था क्योंकि अगर वह ज़ोर से हँसा तो शोर से कहीं उसका भेद न खुल जाए और वो बाहर निकाला जाए। परन्तु भाभी की बात पर लेखक की हँसी रुक न सकी और उसका भंडाफोड़ हो गया।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 देबू की माँ ने लेखक के साथ हाथापाई क्यों शुरू कर दी?

उत्तर - विवाह की रात को औरतें अभिनय करती हैं । यह प्रायः एक ही कथा का हुआ करता है, उसमें विवाह से लेकर पुत्रोत्पत्ति तक के सभी दृश्य दिखाए जाते है। लेखक पास ही में एक चारपाई पर चादर ओढ़कर लेटा हुआ था। भाभी की बात पर उसकी हँसी रुक न

सकी और उसका भंडाफोड़ हो गया। देबू की माँ ने चादर खींच ली और उसे भगाने के लिए हाथापाई शुरू कर दी।

प्रश्न-2 दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर - दादी माँ स्नेह और ममता की मूर्ति थी। मुझे उनके स्वभाव का सबसे अच्छा पक्ष -दूसरों की मदद करना लगता है। गाँव में कोई बीमार होता, उसके पास वह पहुँच जाती और उनका हाल चाल पूंछती । उन्होंने धन्नो का कर्ज माफ़ करके और उसे पैसे दिए जिससे वह अपनी बेटी की सादी अच्छे से कर सके। उन्होंने लेखक के पिताजी की भी अपने सोने के कंगन देकर मदद की।

प्रश्न-3 लेखक बचपन और अब की बीमारी में क्या अंतर महसूस करता है?

उत्तर - बचपन में जब लेखक बीमार पड़ता तो दादी माँ बड़े स्नेह से उसका देख भाल करतीं। दिन-रात चारपाई के पास बैठी रहतीं, कभी पंखा झलतीं, कभी जलते हूए हाथ-पैर कपड़े से सहलातीं, सर पर दालचीनी का लेप करतीं, बीमार वाला खाना बनवाती और बीसों बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं। आज जब लेखक बीमार पड़ता है तो नौकर पानी दे जाता है, मेस-महाराज अपने मन से पकाकर खिचड़ी या साबू। डॉक्टर साहब आकर नाड़ी देख जाते हैं और क्नैन मिक्सचर की शीशी की तिताई के डर से बुखार भाग भी जाता है, पर दादी की स्नेहपूर्ण देखभाल नही मिलती इसलिए लेखक को अब ऐसे बुखार को बुलाने का जी नहीं होता।

व्याकरण

* उपसर्ग-

उपसर्ग में हम किसी मूल शब्द के आगे शब्दांश जोड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं । उपसर्ग शब्द का निर्माण उप और सर्ग के मिलने से हुआ है ।उप का अर्थ जहां आगे होता है वही सर्ग का मतलब होता है, जोड़ना इस प्रकार उपसर्ग की सबसे अर्थवान परिभाषा हुई," उपसर्ग वह शब्दांश है जो किसी शब्द के आगे लगकर नए नए शब्दों का निर्माण करता है।"

अति -अतिरिक्त, अतिशय, अतिशयोक्ति
अन् - अनुभव, अनुसार,अनुचर, अनुग्रह
निस् - निस्वार्थ, निष्कर्ष निष्पक्ष
परि - परिस्थिति, परिवार, परिहास
हम - हमसफ़र, हमशक्ल, हमदर्द
हर - हरअजीज , हरवक्त, हरदम
खुश -खुशफहमी, खुशदिल, खुशमिजाज
ला - लानत, लाचार, लाइलाज

* प्रत्यय-

प्रति और अवयव के मिलने से बना शब्द प्रत्यय- कहलाता है। वह शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे लग कर एक नए शब्द का निर्माण करता है प्रत्यय कहलाता है। जैसे पूजा में पा लगता है तो पुजापा बन जाता है।

आवट - मिलावट,लिखावट,बसावट, बनावट
आहट - फुसफुसाहट,मरमराहट, घबराहट। छटपटाहट
आया - बनाया, सुनाया, बहलाया, खिलाया
आक - छपाक,तपाक,चटाक, मजाक
आऊ - लडाऊ,गिराऊ,बुझाऊ,घुमाऊ
इमा - गरिमा, लघिमा
नाक - खतरनाक, दर्दनाक
दान - दीपदान, अंगदान, पिंडदान
कार - कलाकार चित्रकार पत्रकार, कुंभकार

प्रत्यय

लेखन विभाग

➢ **छात्रवृत्ति के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।**

सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
केंद्रीय विद्यालय
कालिंदी विहार, नई दिल्ली|
विषय - छात्रवृत्ति हेतु प्रार्थना पत्र
महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा सातवीं 'ए' की छात्रा हूँ। मेरे पिता जी की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। वे विद्यालय के शुल्क तथा अन्य खर्चे का भार उठा पाने में असमर्थ हैं। मैं अपनी पिछली कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करती रही हूँ तथा खेल-कूद व अन्य प्रतियोगिताओं में भी मैंने अनेक पदक प्राप्त किए हैं।

अतः आप से अनुरोध है कि मुझे विद्यालय के छात्रवृत्ति कोष से छात्रवृत्ति प्रदान करने का कष्ट करें, ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। मैं सदैव आपकी आभारी रहूँगी।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,
नेहा तिवारी
कक्षा-सातवीं
दिनांक.....

➢ **गतिविधि** - अपनी दादी माँ के बारे में दस - पंद्रह वाक्य लिखिए |

बाल महाभारत

पाठ -1 से 5

प्रश्न-1 महाभारत की कथा किसकी देन है?

उत्तर- महाभारत की कथा महर्षि पराशर के कीर्तिमान पुत्र वेद व्यास की देन है ।

प्रश्न-2 व्यास जी ने महाभारत की कथा सबसे पहले किसे कंठस्थ कराई थी?

उत्तर- व्यास जी ने महाभारत की कथा सबसे पहले अपने पुत्र शुकदेव को कंठस्थ कराई थी और बाद में अपने दूसरे शिष्यों को ।

प्रश्न-3 महाराजा शांतनु के बाद किसको हस्तिनापुर की गद्दी मिली?

उत्तर - महाराजा शांतनु के बाद उनके पुत्र चित्रांगद को हस्तिनापुर की गद्दी मिली ।

प्रश्न-4 बाद में हस्तिनापुर की गद्दी विचित्रवीर्य को क्यों दी गई?

उत्तर - चित्रांगद की अकाल मृत्यु के बाद उनके भाई विचित्रवीर्य को हस्तिनापुर की गद्दी दी गई ।

प्रश्न-5 विचित्रवीर्य के दो पुत्रों के नाम लिखो ।

उत्तर - विचित्रवीर्य के दो पुत्रों के नाम हैं - धृतराष्ट्र और पांडु ।

प्रश्न-6 राजा शांतनु ने यमुना तट पर क्या देखा?

उत्तर- राजा शांतनु ने यमुना तट पर अप्सरा-सी सुंदर एक तरुणी को देखा जिसका नाम सत्यवती था।

प्रश्न-7 केवटराज की क्या सर्त थी?

उत्तर - केवटराज की शर्त थी कि राजा शांतनु के बाद हस्तिनापुर का राज सिंहासन सत्यवती के पुत्र को मिले।

प्रश्न-8 राजा शांतनु क्यों चिंतित थे?

उत्तर - राजा शांतनु इसलिए चिंतित थे क्योंकि वह सत्यवती से विवाह करना चाहते थे पर सत्यवती के पिता केवटराज ने जो शर्त रखी वो अनुचित थी।

प्रश्न-9 देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा?

उत्तर - देवव्रत का नाम भीष्म इसलिए पड़ा क्योंकि उन्होंने आजन्म ब्रह्मचारी रहने की कठोर प्रतिज्ञा की थी।

प्रश्न-10 सत्यवती और शांतनु के कितने पुत्र हुए?

उत्तर - सत्यवती और शांतनु के दो पुत्र हुए - चित्रांगद और विचित्रवीर्य।

प्रश्न-11 राजा शांतनु के बाद कौन हस्तिनापुर के सिहांसन पर बैठा?

उत्तर - राजा शांतनु के बाद चित्रांगद हस्तिनापुर के सिहांसन पर बैठा।

प्रश्न-12 विचित्रवीर्य की कितनी रानियाँ थीं? उनके नाम लिखें।

उत्तर - विचित्रवीर्य की दो रानियाँ थीं - अंबिका और अंबालिका।

प्रश्न-13 चित्रांगद की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर- एक बार किसी गंधर्व के साथ युद्ध हुआ, जिसमें वे मारे गए ।

प्रश्न-14 चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी क्यों दी गई?

उत्तर - चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी इसलिए दी गई क्योंकि चित्रांगद का कोई पुत्र नहीं था ।

प्रश्न-15 भीष्म काशी क्यों गए?

उत्तर - भीष्म काशिराज की कन्यायों के स्वयंवर में सम्मिलित होने काशी गए ।

प्रश्न-16 विदुर कौन थे?

उत्तर- विचित्रवीर्य की रानी अंबालिका की दासी के पुत्र आगे चलकर विदुर के नाम से प्रख्यात हुए।

प्रश्न-17 राजा शूरसेन कौन थे?

उत्तर- यदुवंश के प्रसिद्ध राजा शूरसेन श्रीकृष्ण के पितामह थे।

प्रश्न-18 राजा शूरसेन की कन्या का क्या नाम था?

उत्तर- राजा शूरसेन की कन्या का नाम पृथा था।

प्रश्न-19 कुंतीभोज कौन थे?

उत्तर - राजा शूरसेन के फुफेरे भाई का नाम कुंतीभोज था।

प्रश्न-20 कुंती ने बचपन में कौन से ऋषि की सेवा की?

उत्तर - कुंती ने बचपन में ऋषि दुर्वासा की सेवा की।

प्रश्न-21 कर्ण कौन थे?

उत्तर - कुंती ने सूर्य के संयोग से सूर्य के समान तेजस्वी और सुंदर बालक को जन्म दिया जो आगे चलकर कर्ण के नाम से विख्यात हुए।

प्रश्न-22 अधिरथ कौन था?

उत्तर - अधिरथ एक सारथी था।

प्रश्न-23 कर्ण का पालन पोषण कहाँ हुआ?

उत्तर - कर्ण का पालन पोषण अधिरथ नाम के एक सारथी के यहाँ हुआ।

प्रश्न-24 कुंती का विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर - कुंती का विवाह हस्तिनापुर के राजा पांडु के साथ हुआ।

प्रश्न-25 राजा पांडु का दूसरा विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर - राजा पांडु का दूसरा विवाह मद्रराज की कन्या माद्री के साथ हुआ।

पाठ -3 हिमालय की बेटियाँ

(लेखक - नागार्जुन)

➢ हिमालय की बेटियां का सारांश

लेखक जब दूर से हिमालय को गोदी से निकलती नदियों की देखता था तो वे उसे अति सुदर प्रतीत होती थीं। उनका स्वरूप एकदम गंभीर, शात और अपने आप में मस्त दिखाई देता था। वे शिष्ट महिला की भौंति दिखती थी। लेखक के मन में उनके प्रति बहुत आदर और श्रद्धा का भाव था। जब वह उनमें डुबकियाँ लगाता है. तो ऐसा प्रतीत होता जैसे-माँ, दादी, मौसी या मामी की गोद में खेल रहा हो अर्थात् नदियों के साथ लेखक को आत्मीय भावना जुड़ गई थी। कई वर्षों तक लेखक नदियों को काफी दूर से देखता रहा, लेकिन एक बार वह हिमालय की काफी चढाई चढ़ा, तो उसे नदियों का बदला हुआ आकर्षक रूप देखने का अवसर प्राप्त हुआ। लेखक को यह समझ नहीं आता कि निरंतर, शांत स्वरूप में आगे बढ़ती नदियों का लक्ष्य क्या है? ये किससे मिलने की चाह में आगे की ओर बढ़ती जा रही हैं? अपार प्रेम करने वाले पिता हिमालय को छोड़कर ये किसका प्रेम पाना चाहती हैं? जिस प्रकार बेटियाँ ससुराल जाने के समय मायके की हर चीज़ जिसे वे प्रेम करती हैं, खुशी-खुशी छोड़ जाती हैं, उसी प्रकार ये हिमालय की बेटियाँ भी बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, पौधों से भरपूर घाटियाँ, गहरी गुफाएं, हरी-भरी घाटियाँ सब कुछ छोड़कर समुद्र की ओर बढ़ जाती हैं कुछ आगे बढ़कर देवदार, चीड़,चिनार, सफ़ेदा, कैल के जंगलों में जाकर उन्हें अवश्य अपने बचपन की याद आती होगी। काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता का रूप दिया क्योंकि ये सर्वस्व कल्याण ही करती हैं।

➢ नए शब्द

1) संभ्रांत
2) विस्मय
3) लक्ष्य
4) अतृप्त
5) निकेतन
6) विरही
7) सुचेतन
8) उचटना
9) मुदित

➢ शब्दार्थ

1) सभ्रांत = शिष्ट
2) भाव- भंगी = स्वरूप
3) विस्मय = आश्चर्य
4) लक्ष्य = मंजिल
5) अतृप्त = असंतुष्ट
6) सरसब्ज = हरी भरी
7) निकेतन = घर
8) विरही = बिछड़ने का दुख
9) सुचेतन = सजीव
10) मुदित = प्रसन्न

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) लेखक ने किन्हें दूर से देखा था?
   (a) हिमालय पर्वत को
   (b) हिमालय की चोटियों को
   (c) हिमालय से निकलने वाली नदियों को
2) नदियों की बाल लीला कहाँ देखी जा सकती है?
   (a) घाटियों में
   (b) नंगी पहाड़ियों पर
   (c) उपत्यकाओं में
   (d) उपर्युक्त सभी
3) निम्नलिखित में से किस नदी का नाम पाठ में नहीं आया है?
   (a) रांची
   (b) सतलुज
   (c) गोदावरी
   (d) कोसी
4) बेतवा नदी को किसकी प्रेयसी के रूप चित्रित किया गया है? |
   (a) यक्ष की
   (b) कालिदास की
   (c) मेघदूत की
   (d) हिमालय की
5) लेखक को नदियाँ कहाँ अठखेलियाँ करती हुई दिखाई पड़ती हैं?
   (a) हिमालय के मैदानी इलाकों में
   (b) हिमालय की गोद में
   (c) सागर की गोद में
   (d) घाटियों की गोद में

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 लेखक ने किसको ससुर और किसको दामाद कहा है?

उत्तर- लेखक ने हिमालय को ससुर और समुद्र को उसका दामाद कहा है।

प्रश्न-2 नदियों का उल्लास कहाँ जाकर गायब हो जाता है?

उत्तर- नदियों का उल्लास मैदान में जाकर गायब हो जाता है।

प्रश्न-3 नदियां कहाँ उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं?

उत्तर - नदियां हिमालय की गोद में उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं।

प्रश्न-4 हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक कौन हैं?

उत्तर - हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक नागार्जुन हैं।

प्रश्न-5 इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ किन्हें कहा गया है?

उत्तर - इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ नदियों को कहा गया है।

प्रश्न-6 नदी का गंभीर और शांत रूप किस भाँति प्रतीत होता है?

उत्तर - नदी का गंभीर और शांत रूप संभ्रांत महिला की भाँति प्रतीत होता है।

प्रश्न-7 लेखक ने नदियों का कुछ और रूप कब देखा?

उत्तर - जब लेखक हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो उसने नदियों का कुछ और रूप ही देखा।

प्रश्न-8 हिमालय पर नदियों का रूप और स्वभाव कैसा होता है?

उत्तर - हिमालय पर नदियाँ दुबली पतली होती हैं और इनके स्वभाव में चंचलता होती है।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पर्वतराज हिमालय को सौभाग्यशाली क्यों कहा गया है?

उत्तर - दोनों महानादियाँ सिंधु और ब्रह्मपुत्र समुद्र की ओर प्रवाहित होती रही है। समुद्र को पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला इसलिए इसे सौभाग्यशाली कहा गया है।

प्रश्न-2 लेखक के मन में नदियों को बहन का स्थान देने की भावना कब उत्पन्न हुई?

उत्तर - एक दिन लेखक का मन उचट गया था, तबीयत ढीली थी। वह सतलज के किनारे जाकर बैठ गया और अपने पैर पानी में लटका दिए। थोड़ी ही देर में उस प्रगतिशील जल ने कवी पर असर डाला। उनका तन और मन ताज़ा हो गया और उन्होंने नदियों को बहन मान कर एक कविता रच दी और उसे गुनगुनाने लगे।

प्रश्न-3 लेखक ने किन-किन नदियों का ज़िक्र इस पाठ में किया है और उनके अस्तित्व के विषय में क्या कहा है?

उत्तर - लेखक ने सिंधु, ब्रह्मपुत्र, रावी, सतलुज, व्यास, चनाब, झेलम, काबुल, कपिशा, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी आदि नदियों का ज़िक्र इस पाठ में किया है। लेखक कहता है कि वास्तव में ये नदियाँ दयालु हिमालय के पिघले हुए बरफ़ की एक-एक बूँद से इकठ्ठा हो-होकर बनी हैं और अंत में समुद्र की ओर प्रवाहित होती हैं।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

उत्तर - सिंधु और ब्रह्मपुत्र ये दो ऐसे नाम हैं जिनके सुनते ही रावी, सतलुज, व्यास, चनाब, झेलम, काबुल, कुभा, कपिशा, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी आदि हिमालय की छोटी-बड़ी सभी नदियों के नाम याद आ जाते हैं। वास्तव में सिंधु और ब्रह्मपुत्र की उत्पत्ति हिमालय के पिघले हुए जमी बर्फ़ के जल से हुई है। समुद्र भी स्वंय को सौभाग्यशाली मानता है कि उसे पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला है।

प्रश्न-2 काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर - नदियाँ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। नदियों के किनारे पर प्राचीन काल में कई सभ्यताओं का विकास हुआ। नदियाँ पर्यावरण और प्रकृति को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक होती हैं। इनके जल से फ़सल सींचे जाते हैं। आधुनिक युग में नदी के जल को रोक कर बाँधों का निर्माण किया गया है जो जल की आवश्यकता पूर्ती के साथ-साथ विद्युत् ऊर्जा की आवश्यकता को भी पूर्ण करती है। नदियों की इस महत्ता के कारण ही काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है।

व्याकरण

* संधि की परिभाषा

दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं।

दूसरे अर्थ में- संधि का सामान्य अर्थ है मेल। इसमें दो अक्षर मिलने से तीसरे शब्द की रचना होती है, इसी को संधि कहते है।

संधि का शाब्दिक अर्थ है- मेल या समझौता। जब दो वर्णों का मिलन अत्यन्त निकटता के कारण होता है तब उनमें कोई-न-कोई परिवर्तन होता है और वही परिवर्तन संधि के नाम से जाना जाता है।

संधि विच्छेद- उन पदों को मूल रूप में पृथक कर देना संधि विच्छेद है।

जैसे- हिम + आलय= हिमालय
अत्यधिक= अति + अधिक
यथा + उचित= यथोचित
अखि + ईश्वर= अखिलेश्वर
आत्मा + उत्सर्ग= आत्मोत्सर्ग
महा + ऋषि= महर्षि

1- राष्ट्राध्यक्ष - राष्ट्र + अध्यक्ष
2- नयनाभिराम - नयन + अभिराम
3- युगान्तर - युग + अन्तर
4- शरणार्थी - शरण + अर्थी
5- सत्यार्थी - सत्य + अर्थी
6- दिवसावसान - दिवस + अवसान
7- प्रसंगानुकूल - प्रसंग +अनुकूल
8- विद्यानुराग - विद्या + अनुराग

लेखन -विभाग

संवाद लेखन

अपने-अपने जीवन लक्ष्य के बारे में दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

रंजन - मित्र चंदन! बारहवीं के बाद तुमने क्या सोचा है?

चंदन - मित्र रंजन! मैंने तो अपना लक्ष्य पहले से ही तय कर रखा है। मैंने डॉक्टर बनने के लिए पढ़ाई भी शुरू कर दिया

रंजन - डॉक्टर ही क्यों?

चंदन - मैं डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता हूँ।

रंजन - पर सेवा करने के तो और भी तरीके हैं ?

चंदन - पर मुझे यही तरीका पसंद है। डॉक्टर ही रोते-तड़पते मरीज के चेहरे पर मुसकान लौटाकर वापस भेजते हैं।

रंजन - पर कुछ डॉक्टर का भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जा सकता है?

चंदन - पर मैं सच्चा डॉक्टर बनकर दिखाऊँगा पर तुमने क्या सोचा है, अपने जीवनलक्ष्य के बारे में?

रंजन - पर इतनी मेहनत तो अपने वश की नहीं। सुना है-डॉक्टर, इंजीनियर बनने के लिए बड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है जो मेरे वश की नहीं।

चंदन - पर बिना मेहनत सफलता कैसे पाओगे? रंजन-मैं नेता बनकर देश सेवा करना चाहता हूँ।

चंदन - तूने ठीक सोचा है। हल्दी लगे न फिटकरी, रंग बने चोखा।

रंजन - नेता बनना भी आसान नहीं है। तुम्हारे लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ।

* **गतिविधि - हिमालय का चित्र बनाए |**

कविता-4 कठपुतली

(कवि - भवानी प्रसाद मिश्र)

कठपुतली कविता का सारांश- ठपुतली कविता में कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने कठपुतलियों के मन की व्यथा को दर्शाया है। ये सभी धागों में बंधे-बंधे परेशान हो चुकी हैं और इन्हें दूसरों के इशारों पर नाचने में दुख होता है। इस दुख से बाहर निकलने के लिए एक कठपुतली विद्रोह के शुरुआत करती है, वो सब धागे तोड़कर अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती है। अन्य सभी कठपुतलियां भी उसकी बातों से सहमत हो जाती हैं और स्वतंत्र होने की चाह व्यक्त करती हैं। मगर, जब पहली कठपुतली पर सभी की स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी आती है, तो वो सोच में पड़ जाती है।

नए शब्द

1) क्रोधित
2) कठपुतली
3) उत्कृष्ट

शब्दार्थ

1) गुस्से से उबली - बहुत क्रोधित हुई
2) पाव पर छोड़ देना - आत्मनिर्भर होने देना
3) स्वतन्त्रता - आजाद
4) इच्छा - कामना

5) छंद - पुकार

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कठपुतली कविता के रचयिता हैं

(a) मैथलीशरण गुप्त **(b) भवानी प्रसाद मिश्र**

(c) सुमित्रानंदन पंत (d) सुभद्रा कुमारी चौहान

2) कठपुतली को किस बात का दुख था?

(a) हरदम हँसने का **(b) दूसरों के इशारे पर नाचने का**

(c) हरदम खेलने का (d) हरदम धागा खींचने का

3) कठपुतली के मन में कौन-सी इच्छा जागी?

(a) मस्ती करने की (b) खेलने की

(c) आज़ाद होने की (d) नाचने की

4) पहली कठपुतली ने दूसरी कठपुतली से क्या कहा?

(a) स्वतंत्र होने के लिए (b) अपने पैरों पर खड़े होने के लिए

(c) बंधन से मुक्त होने के लिए **(d) उपर्युक्त सभी**

5) कठपुतलियों को किनसे परेशानी थी?

(a) गुस्से से (b) पाँवों से

(c) धागों से (d) उपर्युक्त सभी से

6) कठपुतली ने अपनी इच्छा प्रकट की

(a) हर्षपूर्वक (b) विनम्रतापूर्वक

(c) क्रोधपूर्वक (d) व्यथापूर्वक

अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'कठपुतली' कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- 'कठपुतली' कविता के रचयिता भवानीप्रसाद मिश्र हैं।

प्रश्न-2 कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- कठपुतली को गुस्सा इसलिए आया क्योंकि वह धागे में बँधी हुई पराधीन महसूस करती है और उसे दूसरों के इशारे पर नाचने से दुःख होता है। वह स्वतंत्र होना चाहती है।

प्रश्न-3 कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

उत्तर- कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह नहीं खड़ी होती क्योंकि वह धागों से बंधी होती है और दूसरों के आधीन होती है। उसमें स्वतंत्र रूप से अपने पैरो पर खड़े होने की क्षमता नहीं होती।

प्रश्न-4 पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी?

उत्तर पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को इसलिए अच्छी लगी क्योंकि स्वंत्रता सभी को अच्छी लगती है। सभी कठपुतलियाँ पराधीनता से मुक्त हो कर स्वतंत्र होना चाहती थीं। किसी भी कठपुतली को धागे में बंध कर रहना और दूसरों के इशारे पर नाचना पसंद नहीं था।

व्याकरण

सर्वनाम की परिभाषा

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते है।

सरल शब्दों में- सर्व (सब) नामों (संज्ञाओं) के बदले जो शब्द आते है, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

मै, तू, वह, आप, कोई, यह, ये, वे, हम, तुम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

* सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छ: भेद होते है-

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम
(2) निश्चयवाचक सर्वनाम
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(4) संबंधवाचक सर्वनाम
(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(6) निजवाचक सर्वनाम

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम:-जिन सर्वनाम शब्दों से व्यक्ति का बोध होता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- मैं आता हूँ।
तुम जाते हो।
वह भागता है।

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम:- सर्वनाम के जिस रूप से हमे किसी बात या वस्तु का निश्चत रूप से बोध होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरण : यह मेरी घडी है ।
वह एक लड़का है ।
वे इधर ही आ रहे हैं ।

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम शब्द से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध न हो, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरण :

लस्सी में कुछ पड़ा है ।
भिखारी को कुछ दे दो ।
कौन आ रहा है ।
राम को किसने बुलाया है ।
शायद किसी ने घंटी बजायी है ।

(4) संबंधवाचक सर्वनाम:-जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से संबंध ज्ञात हो तथा जो शब्द दो वाक्यों को जोड़ते है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- जो, जिसकी, सो, जिसने, जैसा, वैसा आदि।
जैसा करोगे, वैसा भरोगे।
जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम :-जो सर्वनाम शब्द सवाल पूछने के लिए प्रयुक्त होते है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- कौन, क्या, किसने आदि।
टोकरी में क्या रखा है ?
बाहर कौन खड़ा है ?
तुम क्या खा रहे हो ?

(6) निजवाचक सर्वनाम:-'निज' का अर्थ होता है- अपना और 'वाचक' का अर्थ होता है- बोध (ज्ञान) कराने वाला अर्थात 'निजवाचक' का अर्थ हुआ- अपनेपन का बोध कराना।

जैसे- अपने आप, निजी, खुद आदि।

उदाहरण :

उसने अपने आप को बर्बाद कर लिया ।
मैं खुद फोन कर लूँगा ।
तुम स्वयं यह कार्य करो ।
श्वेता आप ही चली गयी ।

लेखन विभाग

अनुच्छेद

➢ त्योहारों का महत्त्व

भारत त्योहारों एवं पर्यों का देश है। शायद ही कोई महीना या ऋतु हो, जब कोई-न-कोई त्योहार न मनाया जाता हो। भारत एक विशाल देश है। यहाँ की विविधता के कारण ही विविध प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। यहाँ परंपरा और मान्यता के अनुसार नागपंचमी, रक्षाबंधन, दीपावली, दशहरा, होली, ईद, पोंगल, गरबा, वसंत पंचमी, बैसाखी आदि त्योहार मनाए जाते हैं। इसके अलावा कुछ त्योहारों को सारा देश मिलकर एक साथ मनाता है। ऐसे त्योहारों को राष्ट्रीय पर्व कहा जाता है। इन पर्यों में स्वतंत्रता दिवस, . गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती प्रमुख हैं। ये त्योहार हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ये त्योहार जहाँ भाई-चारा, प्रेमसद्भाव तथा सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाते हैं, वहीं राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम और देशभक्ति की भावना को भी प्रगाढ़ करते हैं। इनसे हमारी सांस्कृतिक गरिमा सुरक्षित रहती है। वर्तमान में इन त्योहारों के स्वरूप में पर्याप्त बदलाव आ गया है। रक्षाबंधन के पवित्र अभिमंत्रित धागों का स्थान बाज़ारू राखी ने, मिट्टी के दीपों की जगह बिजली के बल्बों ने तथा होली के प्रेम और प्यार भरे रंगों की जगह कीचड़, कालिख और पेंट ने ले लिया है। आज इन त्योहारों को सादगी एवं पवित्रता से मनाने की आवश्यकता है।

➢ गतिविधि - कठपुतली का चित्र बनाए |

पाठ -5 मीठाईवाला

(लेखक - भगवती प्रसाद वाजपेयी)

मिठाईवाला का सारांश

मिठाईवाले के माध्यम से लेखक ने एक ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति की मन:स्थिति पर प्रकाश डाला है जो असमय ही अपने बच्चों तथा पत्नी को खो चुका है। अपने निराशा भरे जीवन में आशा का संचार करने के लिए वह कभी मिठाईवाला, कभी मुरलीवाला व कभी खिलौनेवाला बनकर आता है वच्चों के प्रति उसका विशेष लगाव झलकता था। उसे उन बच्चों में अपने बच्चों की झलक नजर आती थी जिससे उसे बहुत संतोष और प्रसन्नता का अनुभव होता है। मिठाईवाले का बच्चों को आकर्षित करना-मिठाईवाला पैसों के लालच में अपना सामान नहीं बेचता था, वह तो चाहता था कि बच्चे सदा हँसते-खेलते हैं। इस कारण जब-जब भी आता, बच्चों की मनभावन चीजें, कभी खिलौने व कभी मिठाइवाँ बेचने के लिए लाता। गलीभर में गा-गाकर व कम दाम में सामान बेचकर बच्चों को प्रसन्न करता।

नए शब्द

1) पुलकित
2) हिलोर
3) निरखना
4) मृदुल
5) स्मरण
6) दस्तूर
7) क्षीण
8) आजानुलंबित
9) पोपला
10) कोलाहल

शब्दार्थ

1) पुलकित = प्रसन्न
2) हिलोर = लहर
3) निरखना = देखना
4) साफा = पगड़ी
5) मृदुल = कोमल
6) दस्तूर = नियम
7) तरकीब = उपाय
8) क्षीण = दुर्बल
9) चाव = रुचि
10) चेष्टा = कोशिश
11) कोलाहल = शोर
12) सिवा = अलावा

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक के नाम हैं
   (a) भवानीप्रसाद मिश्र **(b) भगवतीप्रसाद वाजपेयी**
   (c) विजय तेंदुलकर (d) शिवप्रसाद सिंह
2) किसके गान से हलचल मच जाती थी?
   (a) किसी गायक के (b) शास्त्रीय संगीतज्ञ से
   (c) खिलौनेवाले के (d) इनमें कोई नहीं
3) बच्चों ने हाथी-घोड़े कितने में खरीदा था?
   (a) दो रुपए में (b) दो पैसे में
   (c) तीन पैसे में **(d) पचास पैसे में**
4) खिलौनेवाले का गान गली भर के मकानों में कैसे लहराता था?
   (a) झील की तरह **(b) सागर की तरह**
   (c) दो आने में (d) तीन रुपए में
5) चुन्नू-मुन्नू ने कितने में खिलौने खरीदे थे?
   (a) तीन पैसे में (b) दो पैसे में
   (c) दो आने में (d) तीन रुपए में

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक का क्या नाम है?
उत्तर - 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक का नाम भगवतीप्रसाद है।

प्रश्न-2 खिलौने देख कर बच्चों को कैसा लगता है?
उत्तर - बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते।

प्रश्न-3 मुन्नू ने खिलौना कितने पैसे में ख़रीदा?
उत्तर - मुन्नू ने खिलौना दो पैसे में ख़रीदा।

प्रश्न-4 खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में कब आया?
उत्तर - खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में छह महीने बाद आया।

प्रश्न-5 मुरलीवाला कैसा साफ़ा बाँधता था?

उत्तर - मुरलीवाला बीकानेरी रंगीन साफ़ा बाँधता था।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 रोहिणी फेरीवाले के बारे में क्यों जानना चाहती थी?

उत्तर - फेरीवाला बच्चों के साथ बहुत प्यार से बातें करता था और सौदा भी सस्ता बेचता था।रोहिणी जानना चाहती थी कि वह कौन है और उसे ऐसा करने से क्या मिलता है।

प्रश्न-2 खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर- खिलौनेवाले वाले की मधुर ध्वनि को सुनकर उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों काझुंड उसे घेर लेता और तब वह खिलौनेवाला वहीं बैठकर खिलौने की पेटी खोल देता। बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते। वे पैसे लाकर खिलौने का मोलभाव करने लगते। खिलौने लेकर फिर बच्चे उछलने-कूदने लगते।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 मिठाईवाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर- मिठाईवाला बच्चों की इच्छाओं को भली भांति समझता था इसलिए वह अलगअलग चीज़ें बेचता था जिससे बच्चों की रूची बनी रहे। अगर वह एक ही प्रकार की चीज़ें लाता तो उसके पास बच्चों की इतनी भीड़ नहीं लगती क्योंकि बच्चें बार बार एक ही तरह की चीज़ें खरीदने उसके पास नहीं आते। मिठाईवाला म हीनों बाद इसलिए आता था क्योंकि वह और भी कई जगहों पर जाकर
चीज़ें बेचता था।

प्रश्न-2 फेरीवाले के दुःख का क्या कारण था और उसने उससे उबरने का क्या उपाय निकाला?

उत्तर - फेरीवाला अपने नगर का एक प्रतिष्ठित आदमी था। उसके पास मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोडे, नौकर-चाकर सभी कुछ था।उसका एक छोटा सा परिवार था पत्नी और दो छोटे छोटे बच्चे। परन्तु विधाता की लीला कुछ ऐसी हुई कि उसकी पत्नी और बच्चे नहीं रहे। इस दुःख से निकलने के लिए उसने घूम घूम कर बच्चों की चीज़ें बेचना शुरू कर दिया। बच्चों को उछलता कूदता देख और उन्हें खुश देखकर उसे भी असीम सुख का अनुभव होता।

लेखन विभाग

* आप जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू सूरत में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं |आपके विद्यालय में आयोजित दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें |

जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू, सूरत

सूचना

26 जुलाई 20 (वर्तमान वर्ष)

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 10 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 - -तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे

सचिव

हिंदी साहित्य समिति

* **गतिविधि - मिठाईवाले का चित्र बनाए |**

बाल महाभारत

पाठ-6, 7, 8, 9, 10

प्रश्न-1 धृतराष्ट्र के कितने पुत्र थे? वे क्या कहलाते थे?

उत्तर- धृतराष्ट्र के सौ पुत्र थे। वे कौरव कहलाते थे।

प्रश्न-2 शरीर- बल में सबसे बढ़कर कौन था?

उत्तर- शरीर- बल में पांडु का पुत्र भीम सबसे बढ़कर था।

प्रश्न-3 खेलों में दुर्योधन और उसके भाईयों को कौन तंग किया करता था?

उत्तर - खेलों में दुर्योधन और उसके भाईयों को भीम तंग किया करता था।

प्रश्न-4 भीम दुर्योधन और उसके भाईयों को क्यों तंग किया करता था?

उत्तर -भीम के मन में कोई बैर नहीं था। वह बचपन के जोश के कारण ही दुर्योधन और उसके भाईयों को तंग किया करता था।

प्रश्न-5 कौरवों और पांडवों ने अस्त्र विद्या किनसे सीखा?

उत्तर - कौरवों और पांडवों ने अस्त्र विद्या कृपाचार्य से सीखा।

प्रश्न-6 भीम पर विष का क्या असर हुआ?

उत्तर- भीम को विष के कारण गहरा नशा हो गया था।

प्रश्न-7 पांडवों ने कौन-कौन से ऋषियों से अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा पाई?

उत्तर- पांडवों ने पहले कृपाचार्य से और बाद में द्रोणाचार्य से अस्त्र - शस्त्र की शिक्षा पाई।

प्रश्न-8 कर्ण कौन था और उसने दुर्योधन से क्या कहा?

उत्तर कर्ण अधिरथ द्वारा पोषित कुंती पुत्र था। कर्ण ने दुर्योधन से कहा कि वह अर्जुन से द्वंद्ध युद्ध और उससे मित्रता करना चाहता है।

प्रश्न-9 कर्ण की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर -जब शापवश कर्ण के रथ का पहिया ज़मीन में धँस गया और वह धनुष बाण रखकर ज़मीन में धँसा हुआ पहिया निकलने लगा, तभी अर्जुन ने उस महारथी पर प्रहार किया और उसकी मृत्यु हो गई।

प्रश्न-10 कर्ण ने अर्जुन से क्या कहा?

उत्तर - कर्ण ने अर्जुन से कहा कि जो भी करतब उसने यहाँ दिखाए हैं, उनसे बढ़कर कौशल वह दिखा सकता है।

प्रश्न-11 आचार्य द्रोण कौन थे?

उत्तर- आचार्य द्रोण महर्षि भरद्धाज के पुत्र थे।

प्रश्न-12 राजकुमार द्रुपद बचपन के दिनों में द्रोण से क्या कहा करते थे?

उत्तर - राजकुमार द्रुपद बचपन के दिनों में उत्साह में आकर द्रोण से कहा करते थे कि पांचाल देश का राजा बन जाने पर वह आधा राज्य द्रोण को दे देंगें।

प्रश्न-13 द्रुपद कौन थे और वह कहाँ शिक्षा पा रहे थे?

उत्तर - द्रुपद पांचाल नरेश के पुत्र थे और वह द्रोण के साथ ही भरद्धाज आश्रम में शिक्षा पा रहे थे।

प्रश्न-14 द्रोण को क्या इच्छा हुई?

उत्तर -द्रोण बड़े गरीब थे। वह चाहते थे कि धन प्राप्त किया जाए और अपनी पत्नी और पुत्र के साथ सुख से रहा जाए।

प्रश्न-15 द्रोण परशुराम के पास क्यों गए?

उत्तर - द्रोण परशुराम के पास इसलिए गए क्योंकि उन्हें खबर लगी कि परशुराम अपनी सारी संपत्ति गरीब ब्राह्मणों को बाँट रहे हैं।

प्रश्न-16 द्रोण ने परशुराम से क्या सिखाने की प्रार्थना की?

उत्तर - द्रोण ने उनसे सारे अस्त्रों के प्रयोग तथा रहस्य सिखाने की प्रार्थना की।

प्रश्न-17 दुर्योधन की जलन का क्या कारण था?

उत्तर- भीमसेन का शरीर - बल और अर्जुन की युद्ध कुशलता ही दुर्योधन की जलन का कारण थी।

प्रश्न-18 दुर्योधन के सलाहकार कौन थे?

उत्तर - दुर्योधन के सलाहकार मामा शकुनी और कर्ण थे।

प्रश्न-19 शकुनी कौन था?

उत्तर - शकुनी दुर्योधन का मामा था।

प्रश्न-20 धृतराष्ट्र के छोटे भाई पांडु को सिंहासन क्यों दिया गया था?

उत्तर - धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे इसलिए उनके छोटे भाई पांडु को सिंहासन दिया गया था।

प्रश्न-21 पाण्डु के अकाल मृत्यु हो जाने पर किसने राज काज सँभाला और क्यों?

उत्तर - पाण्डु के अकाल मृत्यु हो जाने पर धृतराष्ट्र ने राज काज सँभाला क्योंकि पांडव बालक थे।

पाठ -6 रक्त और हमारा शरीर

(लेखक - यतीश अग्रवाल)

* पाठ का सार

इस पाठ में बताया गया है कि रक्त हमारे शरीर के लिए कितना आवश्यक है। रक्त में कौन-कौन से कण पाए, जाते है तथा रक्त दान करना किसी को जीवन दान देना है। अनिल की छोटी बहन दिव्या बहुत कमजोर थी। वह हमेशा थकान महसूस करती, किसी काम में उसका मन न लगता, भूख भी उसे पहले से कम लगने लगी थी इसलिए वह उसे अस्पताल ले गया। वहाँ डॉक्टर ने बताया कि उसके खून की जाँच की जाएगी, लगता है कि उसमें खून की कमी ह।लाल दिखाई देता है। ये साँस लेने पर ग्रहण की गई ऑक्सीजन को शरीर के हर हिस्से तक पहुँचाते हैं। चार महीने होते-होते ये नष्ट हो जाते हैं और इनके स्थान पर नए रक्त-कण बन जाते हैं ये हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में प्रोटीन, लौह तत्व और विटामिन से बनते हैं। सफेद कण शरीर को रोगाणुओं से बचाते है। ये बीमारियों के कीटाणुओं का डटकर मुकाबला करते हैं और बहुत से रोगों से हमारी रक्षा करते हैं।एक मनुष्य के शरीर में पाँच लीटर खून होता है। रक्तदान करने से हम किसी जरूरत मंद का जीवन बचा सकते हैं।

* नए शब्द

1) एनीमिया
2) जिज्ञासा
3) उपयुक्त
4) ग्रहण
5) पौष्टिक
6) दूषित

शब्दार्थ

1) स्लाइड= काँच की पतली छोटी पट्टिका
2) एनीमिया = खून की कमी से होने वाली बीमारी
3) जिज्ञासा = जानने की इच्छा
4) उपयुक्त= सही
5) पौष्टिक = ताकतवर
6) दूषित = गंदा
7) वर्ग = समहू
8) निराधार= बिना आधार का

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) दिव्या को क्या महसूस होता है?
   (a) भूख में कमी (b) याददाशत की कमी
   (c) थकान (d) बेचैनी
2) दिव्या अनिल के साथ अस्पताल क्यों गई?
   (a) भूख न लगने से **(b) थकान महसूस होने से**
   (c) काम में मन न लगने से (d) उपर्युक्त सभी
3) दिव्या के शरीर के किस अंग से रक्त लिया गया?
   (a) बाजू से **(b) उँगली से**
   (c) पैर से (d) हथेली से
4) एनीमिया क्या है?
   (a) आँखों की बीमारी
   (b) पेट की बीमारी
   (c) रक्त की कमी से होने वाली बीमारी
   (d) रक्त की अधिकता से होने वाली बीमारी
5) पेट में पाए जाने वाले कीड़े किस बीमारी का कारण बनते हैं?
   (a) दमा (b) क्षयरोग
   (c) रतौंधी **(d) एनीमिया**
6) डॉक्टर स्लाइड की जाँच किस यंत्र द्वारा कर रही थी?
   (a) दूरदर्शी द्वारा **(b) सूक्ष्मदर्शी द्वारा**
   (c) दूरबीन द्वारा (d) उपर्युक्त सभी

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 दिव्या को कौन सी बीमारी थी?

उत्तर - दिव्या को एनीमिया था।

प्रश्न-2 मोटेतौर पर रक्त के कितने भाग होते हैं?

उत्तर - मोटेतौर पर रक्त के दो भाग होते हैं।

प्रश्न-3 रक्त के तरल भाग को क्या कहते हैं?

उत्तर - रक्त के तरल भाग को प्लाज्मा कहते हैं।

प्रश्न-4 एनीमिया क्या होता है?

उत्तर - रक्त में लाल कणों की कमी को एनीमिया कहते हैं।

प्रश्न-5 डॉक्टर दीदी ने अनिल को दिव्या के बारे में क्या बताया?

उत्तर - डॉक्टर दीदी ने अनिल को बताया कि दिव्या को एनीमिया है।

प्रश्न-6 अनिल और दिव्या कौन थे और वे कहाँ गए थे?

उत्तर - अनिल और दिव्या भाई बहन थे और वे अस्पताल गए थे।

प्रश्न-7 डॉक्टर दीदी ने अनिल को रिपोर्ट लेने के लिए कब बुलाया?

उत्तर - डॉक्टर दीदी ने अनिल को रिपोर्ट लेने के लिए अगले दिन बुलाया।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 रक्त में सफ़ेद कणों का क्या महत्व होता है?

उत्तर - सफ़ेद कण वास्तव में हमारे शरीर के वीर सिपाही हैं। जब रोगाणु शरीर पर धावा बोलने की कोशिश करते हैं तो सफ़ेद कण उनसे डटकर मुकाबला करते हैं और जहाँ तक संभव हो पाता है रोगाणुओं को भीतर घर न हीं करने देते।

प्रश्न-2 रक्त के बहाव को रोकने के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर रक्त के बहाव को रोकने के लिए चोट के स्थान पर कसकर एक साफ़ कपड़ा बाँध देना चाहिए।दबाव पड़ने से रक्त का बहना कम हो जाता है, जो उस व्यक्ति के लिए काफ़ी लाभप्रद सिद्ध होसकता है। फिर घायल व्यक्ति को जल्दी से डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

प्रश्न-3 रक्त में लाल कणों का क्या महत्व होता है?

उत्तर - लाल कणों के कारण ही हमें रक्त लाल रंग का नज़र आता है। ये कण शरीर के लिए दिनरात काम करते हैं। साँस लेने पर साफ़ हवा से जो ऑक्सीजन हम प्राप्त करते हैं उसे शरीर के हर हिस्से में पहुँचाने का काम इन कणों का ही है। इनका जीवनकाल लगभग चार महीने होता है।

प्रश्न-4 रक्त के सफ़ेद कणों को 'वीर सिपाही' क्यों कहा गया है?

उत्तर रक्त के सफ़ेद कणों को 'वीर सिपाही' इसलिए कहा गया है क्योंकि जब रोगाणु शरीर पर धावा बोलने की को शिश करते हैं तो सफ़ेद कण उनसे डटकर मुकाबला करते हैं और जहाँ तक संभव हो पाता है रोगाणुओं को भीतर घ र नहीं करने देते। वे बहुत से रोगों से हमारी रक्षा करते हैं।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पेट में कीड़े क्यों हो जाते हैं? इनसे कैसे बचा जा सकता है?

उत्तर - ये कीड़े प्राय: दूषित जल और खाद्य पदार्थों द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अत: इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफ़ाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ़ पानी ही पिएँ। शौच के लिए हम शौचालय का ही प्रयोग करें और इधर-उधर नंगे पैर न घूमें।

प्रश्न-2 रक्त में बिंबाणुओं का क्या काम होता है?

उत्तर बिंबाणुओं का काम है चोट लगने पर रक्त जमाव क्रिया में मदद करना। रक्त के तरल भाग प्लाज्मा में एक विशेष किस्म की प्रोटीन होती है जो रक्तवाहिका की कटीफटी दीवार में मकड़ी के जाले के समान एक जाला बुन देती है। बिंबाणु इस जाले से चिपक जाते हैं और इस तरह दीवार में आई दरार भर जाती है, जिससे रक्त बाहर निकलना बंद हो जाता है।

प्रश्न-3 ब्लड-बैंक में रक्तदान से क्या लाभ है?

उत्तर - लोगों द्वारा किए गए रक्तदान को इन ब्लडबैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। प्राय: हर बड़े अस्पताल में इस तरह के बैंक होते हैं, जहाँ, सभी प्रकार के रक्त समूहों का रक्त तैयार रखा जाता है। आपातस्थिति में अगर किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता हो तो ब्लड बैंक के द्वारा उसकी आपूर्ति की जाती है। इस प्रकार ब्लड-बैंक में किया गया रक्तदान किसी व्यक्ति की जान बचाने में काम आ जाता है।

प्रश्न-4 खून को 'भानुमती का पिटारा' क्यों कहा जाता है?

उत्तर जिस प्रकार भानुमती के पिटारे में कई तरह की वस्तुएँ होती हैं उसी प्रकार अगर रक्त की एक बून्द को भी सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखा जाए तो उसमे भी कई तरह के कण होते हैं। मोटेतौर पर रक्त के दो भाग होते हैं। एक भाग वह जो तरल है, जिसे हम प्लाज्मा कहते हैं। दूसरा, वह जिसमें छोटे-
बड़े कई तरह के कण होते हैं...कुछ लाल, कुछ सफ़ेद और कुछ ऐसे जिनका कोई रंग नहीं, जिन्हें बिंबाणु (प्लेटलैट कण) कहते हैं। ये कण प्लाज्मा में तैरते रहते हैं।

व्याकरण

➢ कारक की परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संज्ञा या सर्वनाम का सम्बन्ध सूचित हो, उसे उस रूप को 'कारक' कहते हैं।

➢ कारक के भेद-

➢ - कर्ता कारक
- कर्म कारक
- करण कारक
- सम्प्रदान कारक
- अपादान कारक
- सम्बन्ध कारक

- अधिकरण कारक
- संबोधन कारक

(1) कर्ता कारक :- जो वाक्य में कार्य करता है उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले उसे कर्ता कहते हैं।
राम ने पत्र लिखा।
हम कहाँ जा रहे हैं।
रमेश ने आम खाया।

(2) कर्म कारक :- जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं।
- ममता सितार बजा रही है।
- राम ने रावण को मारा।
- गोपाल ने राधा को बुलाया।

(3) करण कारक :- जिस साधन से क्रिया होती है उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से और के द्वारा होता है।
- बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
- बच्चा बोतल से दूध पीता है।
- राम ने रावण को बाण से मारा।

4) सम्प्रदान कारक :- जिसके लिए कोई क्रिया काम की जाती है, उसे सम्प्रदान कारक कहते है।
- वे मेरे लिए उपहार लाये हैं।
- माँ बेटे के लिए सेब लायी।
- मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ।

5) अपादान कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो वहाँ पर अपादान कारक होता है।
हाथ से छड़ी गिर गई।
चूहा बिल से बाहर निकला।
पेड़ से आम गिरा।

6) संबंध कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप की वजह से एक वस्तु की दूसरी वस्तु से संबंध का पता चले उसे संबंध कारक कहते हैं।
राम की किताब, श्याम का घर।
चाँदी की थाली, सोने का गहना।

7) अधिकरण कारक :- अधिकरण का अर्थ होता है – आधार या आश्रय। संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।
पुस्तक मेज पर है।
पानी में मछली रहती है।
फ्रिज में सेब रखा है।

8) सम्बोधन कारक :- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।
हे ईश्वर ! रक्षा करो।
अरे ! बच्चो शोर मत करो।
हे राम ! यह क्या हो गया।

लेखन-विभाग

स्कूल में निबंध प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सूचना।

सूचना

सती पब्लिक स्कूल

बनकोट , उत्तर प्रदेश

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

आप सभी विद्यार्थियों को यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि हमारे विद्यालय में गाँधी जयंती के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम , दुतीय व तृतीय स्थान पाने वाले को क्रमश: 20, 000/-, 15,000/- , 10,000/-रूपये का पुरुस्कार दिया जायेगा।

दिनांक - 2 अक्टूबर 2020
समय - 10:10 am
इच्छुक छात्र-छात्राएं अपना नाम अपने क्लास टीचर को 25 सितंबर 2020 तक दे दें।

निशांत गर्ग

स्कूल प्रबंधक

*** गतिविधि - रक्तदान के बारे में दस वाक्य लिखिए |**

पाठ-7 पापा खो गए

(लेखक - विजय तेंदुलकर)

* पाठ का सार

मराठी के प्रसिद्ध कहानीकार विजय तेंदुलकर की इस लघु नाटिका में सजीव और निर्जीव पात्रों के माध्यम से एक उद्देश्यपूर्ण व प्रभावशाली कथानक प्रस्तुत किया गया है। इसमें दिखाया गया है कि हमारे समाज में कुछ असामाजिक तत्व नन्हें बच्चों को उठाकर ले जाते हैं और उनसे मनचाहा काम करवाकर अपनी आजीविका कमाते हैं। समुद्र के किनारे एक पेड़ व एक खंभा खड़ा है। जिनमें पहले बोलचाल नहीं थी परंतु एक तूफानी रात में खंभा टेडा होकर पेड पर गिर गया । पेड़ ने स्वयं घायल होकर भी खंभे को गिरने से बचाया। जिससे दोनों में घनिष्ठ मित्रता हो गई। उस पेड़ के दूसरी ओर एक लाल लैटरबक्स भी था जो पढ़ा-लिखा और हँसमुख था। प्रायः लोगों को चिट्ठियाँ चोरी-चोरी पढ़ता था और रात के समय गाने गुनगुनाता था। सामने की दीवार पर चिपका फिल्मी पोस्टर हवा से बार-बार टेढ़ा होता तो ऐसा प्रतीत होता कि कोई नायिका नृत्य कर रही हो। कौआ काँव-काँव करता है और पोस्टर पर लिखा होता है 'पापा खो गए। लैटरबक्स लोगों से कह रहा होता है कि यदि किसी के पापा मिल जाएँ तो उन्हें वहाँ ले आएँ।

* नए शब्द

1) भंगिमा
2) जम्हाई
3) चुंगी
4) कर्कश
5) फोकट
6) चौकस
7) अधखुली
8) गश्त लगाना

9) यत्न 10) घनी

* शब्दार्थ

1) भंगिमा = दिखने का ढंग 2) जम्हाई = उबासी लेना
3) चुंगी = टैक्स 4) कर्कश = कठोर
5) अधखुली = आधी खाली 6) गश्त लगाना = घूमना
7) टहनी = शाखा 8) यत्न = उपाय
9) दाद देना = प्रशंसा करना 10) घनी = सघन
11) प्रेक्षक = दर्शक

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) इस पाठ और लेखक का नाम इनमें से कौन-सा है?
(a) दादी माँ-शिवप्रसाद सिंह
(b) हिमालय की बेटियाँ-नागार्जुन
(c) मिठाईवाला-भगवती वाजपेयी
(d) पापा खो गए-विजय तेंदुलकर

2) खंभा, पेड़, लैटरबक्स सभी एक साथ कहाँ खड़े थे?
(a) विद्यालय के समीप (b) जंगल के पास
(c) समुद्र के किनारे (d) झील के किनारे

3) इस पाठ में किस समय यह घटनाएं हो रही हैं ?
(a) प्रातःकाल (b) सायंकाल
(c) रात्रि में (d) दोपहर में

4) पत्र को कौन पढ़ रहा है?
(a) पेड़ (b) कौआ
(c) लैटरबक्स (d) खंभा

5) आसमान में गड़गड़ाती बिजली किस पर आ गिरी थी?
(a) खंभे पर **(b) पेड़ पर**
(c) लैटरबक्स पर (d) पोस्टर पर

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 "पापा खो गए" पाठ की विधा क्या है?
उत्तर - पापा खो गए" पाठ की विधा 'कहानी' है।

प्रश्न-2 खंभा, पेड़ और लैटरबक्स कहाँ थे?
उत्तर - खंभा, पेड़ और लैटरबक्स समुद्र के सामने थे।

प्रश्न-3 खंभे को कौन सी रातें अच्छी नहीं लगती?

उत्तर - खंभे को बरसात की रातें अच्छी नहीं लगती।

प्रश्न-4 आसमान से गड़गड़ाती बिजली किस पर गिर पड़ी थी?

उत्तर - आसमान से गड़गड़ाती बिजली पेड़ पर गिर पड़ी थी।

प्रश्न-5 खंभा बीमार क्यों नहीं पड़ता था?

उत्तर - खंभा लोहे का बना था इसलिए वह बीमार नहीं पड़ता था।

प्रश्न-6 नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों?

उत्तर नाटक में सबसे बुद्धिमान पात्र कौआ लगा है क्योंकि अंत में कौआ ही लड़की को सही सलामत उसके घर पहुँचाने की तरकीब सोचता है।

प्रश्न-7 लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर - लैटरबक्स ऊपर से नीचे तक पूरा सिर्फ़ लाल रंग में रंगा हुआ था। वह बड़ों की तरह बातें भी करता था इसलिए उसे सभी लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पेड़ के जन्मस्थान में समय के साथ क्या - क्या बदलाव आया है?

उत्तर - वहाँ के, वे सब ऊँचे - ऊँचे घर नहीं थे तब। सड़क भी नहीं थी। वह सिनेमा का बड़ा सा पोस्टर और उसमें नाचनेवाली औरत भी तब नहीं थी। सिर्फ़ सामने का वह समुद्र था।

प्रश्न-2 लैटरबक्स को अपना बहुत महत्व क्यों लगता है?

उत्तर - लैटरबक्स सब की चिट्ठी सँभालकर रखता है। अगर वह किसी की चिठ्ठी पढ़ भी ले तब भी उस में लिखी गुप्त बातें वह अपने तक ही रखता है। इसीलिए लैटरबक्स को अपना बहुत महत्व लगता है।

प्रश्न-3 क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

उत्तर सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर पर नहीं पहुँचा पा रहे थे क्योंकि लड़की इतनी छोटी थी कि उसे अपने घर का पता, गली का नाम, सड़क का नाम, घर का नंबर यहाँ तक की अपने पापा का नाम तक नहीं मालूम था।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई?

उत्तर - खंभा शुरू - शुरू में पेड़ से बात नहीं करता था। कई बार पेड़ ने खंभे से बात करने की कोशिश की पर खंभे ने अपने अकड़ के कारण कभी पेड़ से बात नहीं की। अंत पेड़ ने भी उससे बात करना छोड़ दिया। फिर एक दिन तेज़ आँधी में खंभा पेड़ पर गिर पड़ा। पेड़ ने खंभे को संभाल लिया पर स्वयं ज़ख्मी हो गया। यह देखकर खंभे का गरूर ख़त्म हो गया और उस दिन से दोनों में दोस्ती हो गई।

प्रश्न-2 कौए ने लड़की को उसके घर पहुँचाने की कौन सी तरकीब सोची?

उत्तर - कौए ने लड़की को बचाने के लिए एक तरकीब सोची उसने पेड़ को कहा कि वह सुबह तक अपनी घनी छाया किए रहे जिससे लड़की देर तक सोती रहे। फि खंभे को टेढ़ा खड़े होने को कहा जिससे पुलिस को लगे कि वहाँ कोई एक्सीडैंट हुआ है। ऐसा देखकर पुलिस जब वहाँ आएगी और बच्ची को देखेगी तो उसे उसके घर पहुँचा देगी। यह सुनकर खंभा कहता है "अगर पुलिस नहीं आयी तो?", इस पर कौआ बोलता है कि तब वह काँव - काँव करके लोगो का ध्यान इधर खींचेगा। यह सब सुनकर लैटरबक्स कहता है "अगर फिर भी कोई नहीं आया तो? ", तब कौआ लैटरबक्स को उस सिनेमा के पोस्टर पर सूचना लिखने को कहता है कि "पापा खो गए"। सुबह होने पर सभी योजना अनुसार अपना - अपना काम शुरू कर देते हैं।

व्याकरण

काल

काल का अर्थ होता है – "समय" । अर्थात क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते है।

दूसरे शब्दों में —-काल क्रिया के उस रूप को कहते है जिससे उसके कार्य करने या होने के समय तथा पूर्णता का ज्ञान होता है। उसे काल कहते है।

क्रिया के होने के समय की सूचना हमें काल से मिलती है। जैसे —

- नीलम बीमार है।
- नीलम बीमार थी ।
- नीलम अस्पताल जाएगी।

काल के भेद-

काल के तीन भेद होते है-

1. वर्तमान काल)present Tense) – जो समय चल रहा है।
2. भूतकाल)Past Tense) – जो समय बीत चुका है।
3. भविष्यत काल)Future Tense)- जो समय आने वाला है।

1) वर्तमान काल- कोई क्रिया जिस समय घटित होती है, भाषा में वह समय वर्तमान काल कहलाता है। क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदहारण

- मेरी बहन डॉक्टर है।
- वह रोज अस्पताल जाती है।
- पिताजी सुबह मंदिर जाते है।
- मॉ इस समय नाश्ता बना रही है।
- बच्चे स्कूल गए है।

2) भूतकाल -: जिसके द्वारा हमें क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है। उसे भूतकाल कहा जाता है।

भूतकाल दो शब्दों के मेल से बना है जो " – है होता अर्थ का भूत काल। + भूत" – बीत गया और काल का अर्थ होता है "समय। –

- आज हमारा स्कूल बंद था
- हवा बहुत तेज चल रही थी
- वह खा चुका था।
- मैंने पुस्तक पढ़ ली थी।

- वे दोनों मेरे पडोसियों के बच्चे थें।

2) **भविष्य काल-** जिन चिह्नों से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में घटित होने वाली है, वे चिह्न भविष्यत काल के चिह्न कहलाते हैं |

दूसरे शब्दों में —जिसके द्वारा हमें क्रिया के आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो उसे भविष्यत काल कहते है।

- राम कल पढ़ेगा।
- इस साल बारिश अच्छी होगी
- वह मेरी बात नहीं मानेगी।
- आज बाजार बंद रहेगा
- कमला गाएगी

लेखन विभाग

1. अपने विद्यालय की संस्था 'पहरेदार' की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 30 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

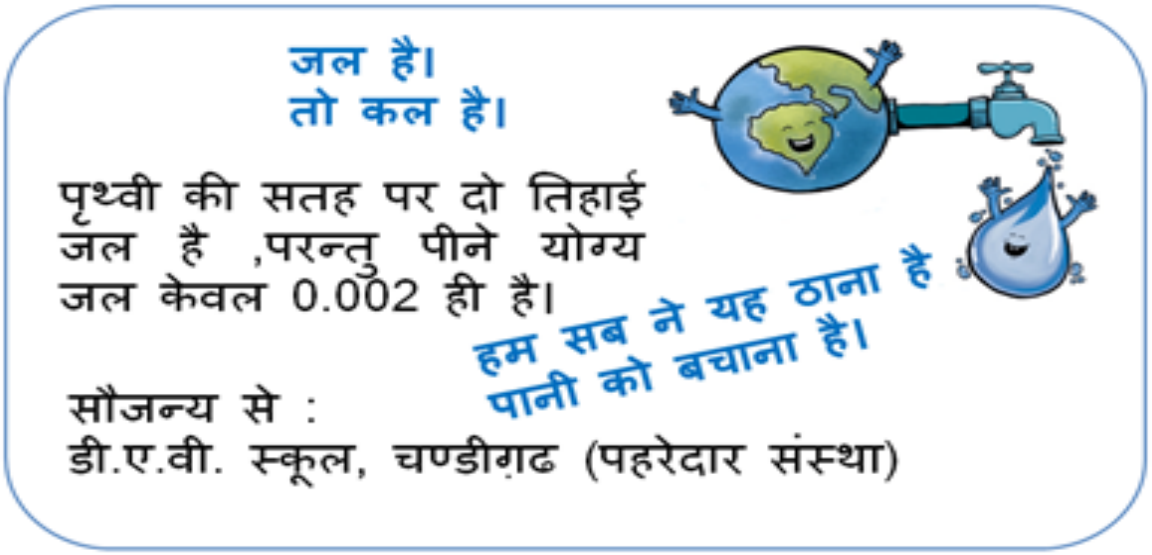

* **गतिविधि - पापा खो गए नाटक का चित्र बनाए |**

कविता-8 शाम एक किशान

(कवि - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना)

* शाम एक किसान कविता का सारांश:

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी ने अपनी कविता 'शाम-एक किसान' में शाम के समय का बड़ा ही मनोहर वर्णन किया है। शाम का प्राकृतिक दृश्य बहुत ही सुंदर है। इस दौरान पहाड़ - बैठे हुए किसी किसान जैसा दिख रहा है। आकाश उसके माथे पर बंधे एक साफे (पगड़ी) की तरह दिख रहा है। पहाड़ के नीचे बह रही नदी, किसान के पैरों पर पड़ी चादर जैसी लग रही है। पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल किसी अंगीठी में रखे अंगारों की तरह दिख रहे हैं। फिर पूर्व दिशा में गहराता अंधेरा भेड़ों के झुंड जैसा लगता है। अचानक मोर के बोलने से सब बदल जाता है और शाम ढल जाती है।

* नए शब्द

1) साफा
2) चिलम
3) दहकना
4) पलाश

* शब्दार्थ

1) साफा = पगड़ी
2) जंगल = वन
3) आवाज = सूर
4) पलाश = एक वृक्ष
5) दहकना = बिना ज्वाला के साथ जलना

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) पहाड़ को किन रूपों में दर्शाया गया है?

(a) संध्या के रूप में **(b) किसान के रूप में**

(c) एक पहरेदार के रूप में (d) एक बच्चे के रूप में

2) चिलम के रूप में किसका चित्रण किया गया है?

(a) पहाड़ का (b) पलाश का

(c) अँगीठी का **(d) सूर्य का**

3) पहाड़ के चरणों में बहती नदी किस रूप में दिखाई देती है?

(a) चादर के रूप में (b) साफ़े के रूप में

(c) रंभाल के रूप में (d) किसान के धोती के रूप में

4) कौन-सी अँगीठी दहक रही है?

(a) कोयले की (b) लकड़ी की

(c) पलाश के जंगल की (d) प्रकृति की

5) 'चिलम आधी होना' किसका प्रतीक है?

(a) सूरज के डूबने का (b) सूरज के चमकने का

(c) दिन खपने का (d) रात होने का

6) भेड़ों के झुंड-सा अंधकार कहाँ बैठा है?

(a) पूरब दिशा में (b) पश्चिम दिशा में

(c) उत्तर दिशा में (d) दक्षिण दिशा में

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कविता में किसान ने किसका साफ़ा बाँधा हुआ है?

उत्तर – कविता में किसान ने आकाश का साफ़ा बाँधा हुआ है।

प्रश्न-2 कविता में सूरज किस भाँति दिख रहा है?

उत्तर - कविता में सूरज चिलम पर सुलगती आग की भाँति दिख रहा है।

प्रश्न-3 पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी कैसी प्रतीत होती है?

उत्तर - पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी घुटनों पर रखी चादर सी प्रतीत होती है।

प्रश्न-4 झुँड में बैठी भेड़ों जैसा क्या प्रतीत हो रहा है?

उत्तर - पूर्व क्षितज पर घना होता अँधकार - झुँड में बैठी भेड़ों जैसा प्रतीत हो रहा है।

प्रश्न-5 कविता में दर्शाए गए प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ कैसा दिखाई दे रहा है?

उत्तर - कविता में दर्शाए गए प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ बैठे हुए एक किसान की तरह दिखाई दे रहा है।

प्रश्न-6 पलाश के जंगल को अँगीठी क्यों कहा गया है?

उत्तर - पलाश के जंगल को अँगीठी इसलिए कहा गया है क्योंकि पलाश के पेड़ों पर खिले लाल लाल फूल जलती अँगीठी के समान प्रतीत होते हैं।

लेखन विभाग

निबंध

* रक्षाबंधन

हार्दिक मिलन भाव को प्रकट करने वाले त्योहारों में रक्षा बंधन का त्योहार एक प्रमुख और आकर्षक त्योहार है। यह त्योहार प्राचीनतम त्योहारों में से एक है और नवीन त्योहारों में अत्यन्त नवीन है। यह मंगल का त्योहार है और प्रेम तथा सौहार्द्र का सूचक भी है। अतएव रक्षा बंधन का त्योहार पवित्रता और उल्लास का त्योहार है।

रक्षा बंधन का त्योहार हमारे देश में एक छोर से दूसरी छोर तक बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। यह त्योहार न केवल हिन्दुओं का ही त्योहार है, अपितु हिन्दुओं की देखा देखी अन्य जातियों व वर्गों ने भी इस त्योहार को अपनाना शुरू कर दिया है। ऐसा इसलिए कि यह त्योहार धर्म और सम्बन्ध की दृष्टि से अत्यन्त पुष्ट और महान त्योहार है। धर्म की दृष्टि से यह गुरू-शिष्य के परस्पर नियम सिद्धांतों सहित उनके परस्पर धर्म को प्रतिपादित करने वाला है। सम्बन्ध की दृष्टि से यह त्योहार भाई बहन के परस्पर सम्बन्धों की गहराई को प्रकट करने वाला एक दिव्य और श्रेष्ठ त्योहार है। अतएव रक्षा बंधन का त्योहार एक महान उच्च और श्रेष्ठ त्योहार ठहरता है।

रक्षा बंधन का त्योहार भारतीय त्योहारों में से एक प्राचीन त्योहार है। इस दिन बहन भाई के लिए मंगल कामना करती हुई उसे राखी बांधती है। भाई उसे हर स्थिति में रक्षा करने का वचन देता है। इस प्रकार रक्षा बंधन भाई बहन के पावन स्नेह का त्योहार है।

धार्मिक दृष्टि से इस त्योहार का आरम्भ और प्रचलन अत्यन्त प्राचीन है। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने जब वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने सुप्रसिद्ध अभिमानी दानी राजा बलि से केवल तीन पग धरती दान में माँगी थी। बलि द्वारा स्वीकार करने पर भगवान वामन ने सम्पूर्ण धरती को नापते हुए बलि को पाताल में भेज दिया। इस कथा में कुछ धार्मिक भावनाओं को जोड़कर इसे रक्षा बंधन के रूप में याद किया जाने लगा। उसी स्मृति में इस त्योहार का प्रचलन हुआ।

आज रक्षा बंधन का त्योहार समस्त भारत में बहुत खुशी और स्नेह भावना के साथ प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में श्रवण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें पवित्र भावनाओं के साथ अपने भाइयों को टीका लगाती हैं। उन्हें मिष्ठान्न खिलाती हैं। वे उनकी आरती उतार कर उनको राखी बाँधती हैं। भाई यथाशक्ति उन्हें इसके उपलक्ष्य में कुछ न कुछ अवश्य भेंट करता है। गुरू, आचार्य, पुरोहित आदि ब्राहमण प्रवृत्ति के व्यक्ति अपने शिष्य और यजमानों के हाथ में रक्षा सूत्र बांधकर उनसे दान प्राप्त करते हैं। हमें इस महान और पवित्र त्योहार के आदर्श की रक्षा करते हुए इसे नैतिक भावों के साथ खुशी खुशी मनाना चाहिए।

* **गतिविधि** - किसान का चित्र बनाए |

बाल महाभारत

पाठ - 11,12,13,14,15

* प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न-1 कौन - कौन वारणावत गए?

उत्तर - पाँचों पांडव और माता कुंती वारणावत गए।

प्रश्न-2 किसने युधिष्ठिर को दुर्योधन के षड्यंत्र से बचने का उपाय बताया?

उत्तर - विदुर ने युधिष्ठिर को दुर्योधन के षड्यंत्र से बचने का उपाय बताया।

प्रश्न-3 ध्यानपूर्वक देखने पर युधिष्ठिर को भवन के बारे में क्या पता चला?

उत्तर - ध्यान से देखने पर युधिष्ठिर को पता चल गया कि यह घर जल्दी आग लगनेवाली चीज़ों से बना हुआ है।

प्रश्न-4 भीमसेन ने नगरवासियों को किससे छुटकारा दिलवाया और कैसे?

उत्तर - भीमसेन ने बकासुर को मार कर नगरवासियों को उससे छुटकारा दिलवाया।

प्रश्न-5 द्रौपदी कौन थी?

उत्तर- द्रौपदी पांचाल-नरेश की कन्या थी।

प्रश्न-6 द्रौपदी कहाँ की राजकुमारी थी?

उत्तर- द्रौपदी पांचाल देश की राजकुमारी थी।

प्रश्न-7 पाँचों भाई माता कुंती के साथ पांचाल देश में कहाँ रुके?

उत्तर - पाँचों भाई माता कुंती के साथ पांचाल देश में किसी कुम्हार की झोंपड़ी में रुके।

प्रश्न-8 पांचाल देश में भी पांडव ब्राह्मण-वेश में ही क्यों गए?

उत्तर - पांचाल देश में भी पांडव ब्राह्मण-वेश में ही इसलिए गए जिससे उनको कोई पहचान न सके।

प्रश्न-9 कर्ण ने दुर्योधन को क्या सलाह दी?

उत्तर - कर्ण ने दुर्योधन को पांडवों पर हमला करने की सलाह दी।

प्रश्न-10 खांडवप्रस्थ कैसी नगरी थी?

उत्तर- खांडवप्रस्थ वह नगरी थी, जो पुरु, नहुष एवं ययाति की राजधानी थी।

प्रश्न-11 बाद में खांडवप्रस्थ का नाम क्या रखा गया?

उत्तर- बाद में खांडवप्रस्थ का नाम इंद्रप्रस्थ रखा गया।

प्रश्न-12 राजसूय यज्ञ करके युधिष्ठिर कौन सा पद प्राप्त करना चाहते थे?

उत्तर- राजसूय यज्ञ करके युधिष्ठिर सम्राट - पद प्राप्त करना चाहते थे।

प्रश्न-13 राजसूय यज्ञ कौन कर सकता था?

उत्तर राजसूय यज्ञ वही राजा कर सकता था, जो सारे संसार के नरेशों का पूज्य हो और उनके द्वारा सम्मानित हो।

प्रश्न-14 जरासंध की मृत्यु के बाद मगध की राजगद्दी किसको मिली?

उत्तर - जरासंध की मृत्यु के बाद मगध की राजगद्दी जरासंध के पुत्र सहदेव को मिली।

प्रश्न-15 अंत में दुर्योधन ने द्रौपदी को सभा में लाने के लिए किसे भेजा?

उत्तर- अंत में दुर्योधन ने द्रौपदी को सभा में लाने के लिए दुःशासन को भेजा।

प्रश्न-16 दुर्योधन ने प्रातिकामी को बुलाकर क्या आदेश दिया?

उत्तर- दुर्योधन ने प्रातिकामी को बुलाकर कहा-"विदुर तो हमसे जलते हैं और पांडवों से डरते हैं। रनवास में जाओ और द्रौपदी को बुला लाओ।"

प्रश्न-17 दूसरी बार खेल के परिणाम स्वरूप युधिष्ठिर ने क्या किया?

उत्तर - दूसरी बार भी युधिष्ठिर हार गए और पांडव अपने किए वादे के अनुसार वन में चले गए।

प्रश्न-18 युवक विकर्ण के भाषण से सभा के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - युवक विकर्ण के भाषण से वहाँ उपस्थित लोगों के विवेक पर से भ्रम का परदा हट गया। सभा में बड़ा कोलाहल मच गया।

पाठ - 9 चिड़िया की बच्ची

(लेखक - जैनेंद्र कुमार)

* पाठ का सार

माधवदास एक बड़ा व्यापारी है। उसके पास अपार धन-दौलत है। संगमरमर से बनी नई कोठी, उसके सामने सुहावना बगीचा, फल-पौधे, हौज में लगे फव्वारे सब आकर्षित करने वाले हैं। वह कला का प्रेमी है। किसी प्रकार की कोई गंदी आदत उसे नहीं है। इतना सबकुछ होने पर भी उसके जीवन में खालीपन है क्योंकि वह अकेले रहता था। माधवदास के बगीचे में सुंदर चिड़िया का आना-एक दिन शाम के समय

गुलाब के पौधे की टहनी पर सहसा एक चिड़िया आकर बैठ जाती है। चिड़िया बहुत सुंदर थी। वह इधर-उधर फुदक रही थी। नन्ही सी चोंच से प्यारी-प्यारी आवाज़ निकाल रही थी। माधवदास को वह चिड़िया बहुत प्यारी लगी वे उसे कहने लगे-"चिड़िया! यह बगीचा मैंने तुम्हारे लिए ही बनवाया है। तुम बेखटके यहाँ आया करो।" चिड़िया भयभीत हो गई। वह बोली "मैं थककर यहाँ बैठ गई थी। मैं अभी चली जाऊँगी मुझे माफ़ कर दो।"

* नए शब्द

1) संगमरमर
2) हौज
3) मसनद
4) तृप्ति
5) सटक
6) बेखटके
7) रागनी
8) साँझ
9) तृष्टा
10) मढ़कर

* शब्दार्थ

1) संगमरमर = एक चिकना पत्थर
2) हौज = पानी का बड़ा सा बर्तन
3) मसनद = बड़ी सी टाकिया
4) सटक = नली
5) स्वछंदा = आजादी
6) बोध = ज्ञान
7) रागनी = एक प्रकार का गीत
8) जात = पक्षी
9) तृष्णा = प्यास
10) मढ़कर = जड़कर

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) शाम के वातावरण में क्या-क्या परिवर्तन हो जाता है-
   (a) गरमी कम हो जाती है
   (b) हवा चलने लगती है
   (c) आसमान रंग-बिरंगा हो जाता है
   (d) और गरमी कम हो जाती है और आसमान रंग-बिरंगा हो जाता है
2) माधवदास चिड़िया से क्या चाहता था?
   (a) वह वहाँ खूब गाए
   (b) वह पेड़ों पर झूमे
   (c) वह वहीं रह जाए
   (d) वह वहाँ से भाग जाए।
3) माधवदास चिड़िया को किसका प्रलोभन दे रहे थे।
   (a) सोने के पिंजरे का
   (b) पेड़ की डालियों का
   (c) घोंसले का
   (d) अपने धन/ दौलत का
4) बगीचा में चिड़िया कहाँ आकर बैठी थी?
   (a) ज़मीन पर
   (b) फव्वारे पर
   (c) गुलाब की टहनी पर
   (d) टीले के पास

5) चिड़िया की गरदन का रंग कैसा था?

(a) लाल (b) पीली

(c) हरी (d) काली

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 "चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक का नाम क्या है?

उत्तर - "चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक जैनेंद्र कुमार है।

प्रश्न-2 माधवदास कब प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे?

उत्तर - माधवदास शाम को प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे।

प्रश्न-3 माधवदास के बगीचे में चिड़िया कहाँ आ कर बैठती है?

उत्तर - माधवदास के बगीचे में चिड़िया गुलाब की डाली पर आ कर बैठती है।

प्रश्न-4 चिड़िया माधवदास के बगीचे में क्यों आई थी?

उत्तर - चिड़िया माधवदास के बगीचे में कुछ देर आराम करने आई थी।

प्रश्न-5 चिड़िया घर से क्यों उड़ आई थी?

उत्तर - सूरज की धूप खाने, हवा से खेलने और फूलों से बात करने के लिए चिड़िया घर से उड़ आई थी।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 माँ के पास पहुँच कर चिड़िया की क्या हालत हुई?

उत्तर - माँ के पास पहुँच कर चिड़िया माँ की गोद में गिरकर सुबकने लगी। वह काँप - काँपकर माँ की छाती से चिपक गई। बड़ी देर में उसे ढाढ़स बँधा और तब वह पलक मींच माँ से चिपककर सोई जैसे अब पालक न खोलेगी।

प्रश्न-2 माधवदास ने चिड़िया को क्या - क्या प्रलोभन दिए?

उत्तर माधवदास ने चिड़िया को सोने का एक घर बनवाने जिसमें मोतियों की झालर लटकी होगी और पानी पीने की कटोरी भी सोने की होगी, मालामाल करने और ढेर सारा सोना देने का प्रलोभन दिया। उससे यह भी कहा कि बगीचे के फूल उसके लिए खिला करेंगें।

प्रश्न-3 चिड़िया माधवदास के बहकावे में क्यों नहीं आई?

उत्तर - चिड़िया के लिए हवा, धुप और फूल ही उसकी धन-
संपत्ति थे। उसकी सारी संपन्नता उसकी स्वछंदता ही थी। उसे सोने चाँदी से कुछ लेना देना नहीं था। चिड़िया के लिए आत्मिक और पारिवारिक सुख ही महत्वपूर्ण था। उसके लिए उसकी माँ की गोद सबसे प्यारी थी। यही कारण था कि वह माधवदास के बहकावे में नहीं आई।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निःस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - माधवदास को वह चिड़िया बहुत ही सुन्दर और प्यारी लगी इसलिए वह चाहता था कि वह चिड़िया हमेशा के लिए उसके बगीचे में ही रह जाए। वह कहीं और ना जाए। यही कारण था कि वह बारबार

चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है। माधवदास यह निःस्वार्थ मन से नहीं कह रहा था, इसमें उसका स्वार्थ छुपा था। वह ऐसा इसलिए कह रहा था जिससे कि वह उसकी अध्भुत सुंदरता को निहार सके और उसका चहचहाना सुन सके।

व्याकरण

➢ मुहावरे

'मुहावरा' शब्द अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है-अभ्यास। हिंदी भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए हम मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं। मुहावरा ऐसा शब्द-समूह या वाक्यांश होता है जो अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है। विशेष अर्थ में प्रयुक्त होने वाले ये वाक्यांश ही मुहावरे कहलाते हैं।

नीचे कुछ महत्वपूर्ण मुहावरे दिए जा रहे हैं –

1) अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) – माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
2) आँखें चुराना (अपने को छिपाना) – गलत काम करके आँखें चुराने से कुछ नहीं होगा।
3) आँखें खुलना (होश आना) – जब पांडव जुए में अपना सब कुछ हार गए तो उनकी आँखें खुलीं।
4) आँखों का तारा (अतिप्रिय) – हर बेटा अपनी माँ की आँखों का तारा होता है।
5) आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) – ठग यात्री की आँखों में धूल झोंककर उसका सामान लेकर भाग गया।
6) आसमान सिर पर उठाना (बहुत शोर करना) – अध्यापक के कक्षा से चले जाने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
7) ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना) – अरे आयुष! कहाँ रहते हो? तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
8) कान भरना (चुगली करना) – विशाल को कान भरने की बुरी आदत है।
9) खाक छाननी (दर-दर भटकना) – नौकरी की तलाश में बेचारा मोहन खाक छान रहा है।
10) कमर कसना (चुनौती के लिए तैयार होना) – भारतीय सैनिक हर संकट के लिए कमर कसे रहते हैं।
11) खून-पसीना एक करना (कठोर परिश्रम करना) – खून-पसीना करके ही हम, अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।
12) खून का प्यासा (जान लेने पर उतारू होना) – जायदाद बटवारे की समस्या ने दोनों भाइयों को एक-दूसरे के खून का प्यासा बना दिया।
13) ईंट-से ईंट बजाना (विनाश करना) – पांडवों ने कौरव-सेना की ईंट-से ईंट बजा दी।
14) ईमान बेचना (बेईमान होना) – आजकल सीधे-सादे आदमी को असानी से उल्लू बनाया जा सकता है।
15) होश उड़ जाना (घबरा जाना)-अपने सामने जीते – जागते शेर को देखकर मेरे होश उड़ गए।

लेखन विभाग

कहानी लेखन

बन्दर और मगरमछ की दोस्ती

एक नदी के किनारे एक जामुन के पेड़ पर मोगली नाम का बंदर रहता था। जामुन के पेड़ पर बहुत सारे मीठे मीठे जामुन लगते थे।खाने की तलाश में एक दिन मगरमच्छ जामुन के पेड़ के पास आया। फिर मगरमच्छ ने पेड़ के पास आने की वजह बताएं तब मोगली ने उससे कहा यहां जामुन के पेड़ पर बहुत मीठे मीठे जामुन लगते हैं ,फिर उसने मगरमच्छ को थोड़े जामुन दिए।फिर रोज मगरमच्छ जामुन खाने के लिए पेड़ के पास आता और बंदर उसे रोज जामुन देता , धीरे-धीरे दोनों में बहुत अच्छी मित्रता हो गई। एक दिन मगरमच्छ ने कुछ जामुन अपनी पत्नी को भी खिलाएं ,तब उसकी पत्नी ने यह सोचा कि जामुन इतने स्वादिष्ट है तो सोचो उसे खिलाने वाले का दिल भी कितना मीठा होगा। मगरमच्छ की पत्नी जिद पर आ गई उसने मगरमच्छ से कहा कि उसे बंदर का दिल चाहिए। फिर मगरमच्छ ने एक तरकीब लगाई, उसने मोगली बंदर से कहा कि उसकी भाभी उनसे मिलना चाहती है। अब मोगली बंदर ने मगरमच्छ से कहा कि भला मैं नदी से कैसे जा पाऊंगा? तब मगरमच्छ ने उपाय सुझाया कि उसकी पीठ पर बैठकर जा सकते हैं। बंदर को अपनी मित्रता पर भरोसा था , इसलिए वह पेड से कूदकर नदी में मगरमच्छ की पीठ पर बैठ गया। जब वह दोनों नदी के बीचो-बीच पहुंचे तब मगरमच्छ ने बंदर से कहा कि उसकी पत्नी को उसका दिल चाहिए , तब बंदर का दिल टूट सा गया ,उसे धक्का लगा परंतु उसने अपना धैर्य बिल्कुल भी नहीं खोया।तभी अचानक से बंदर बोला ,"अरे मेरे मित्र ,तुमने यह बात मुझे पहले क्यों नहीं बताया मैं तो अपना दिल जामुन के पेड़ पर ही संभाल कर रखा है ।अब तो मुझे जल्दी जल्दी वापस नदी के किनारे ले चलो ताकि मैं अपनी भाभी को अपना दिल देखकर खुश कर सकूं ।मगरमच्छ बंदर को जैसे ही नदी के किनारे लेकर गया, बंदर ने जोर से जामुन के पेड़ पर छलांग लगाई और गुस्से में आकर बोला," मूर्ख मगरमच्छ दिल के बिना ही क्या जिंदा रह सकते हैं ,आज से तेरी मेरी दोस्ती खत्म।

इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें मुसीबत के क्षण में धैर्य कभी भी नहीं होना चाहिए और अनजान लोगों से दोस्ती सोच समझकर करनी चाहिए।

*** गतिविधि - चिड़ियाँ का चित्र बनाए |**

पाठ - 10 अपूर्व अनुभव
(लेखक - तेत्सुकों कुरियानागी)

* पाठ का सार

अपूर्व अनुभव पाठ की विधा संस्मरण है। एक लड़की तोत्तो-चान जो अपने विकलांग मित्र यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाकर दूर तक की सुंदरता दिखाना चाहती है। तोत्तो-चान ने अपने मित्र यासुकी-चान को बिना किसी को बताए अपने पेड़ पर चढ़ने का निमंत्रण दिया। पेड़ का चुनाव-तोमोए नामक स्थान पर हर बच्चा अपने अधिकार से अपना एक पेड़ चुन लेता था जिसे वह केवल अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था। तोत्तो-चान ने भी कुहोन्बुत्सु नामक स्थान तक जाने वाली सड़क के पास एक पेड़ का चुनाव किया। यह द्विशाखा वाला पेड़ था जो धरती से लगभग छः फुट की ऊँचाई पर था। इस पर चढ़कर ऊपर का आकाश या नीचे सड़क पर चलते लोगों को देखकर बहुत आनंद मिलता था वह अकसर इस झूले-सी आरामदेह जगह पर स्कूल के बाद या स्कूल की आधी छुट्टी के समय आया करती थी।

* नए शब्द

1) सभागार
2) शिविर
3) निजी
4) शिष्टता
5) धकियाना
6) सूझना
7) पिचकी
8) लुभावनी

* शब्दार्थ

1) सभागार = बड़ा सा कमरा
2) शिविर= कैप
3) निजी = अपनी
4) शिष्टता = विनम्रता

5) धकियाना = धक्का लगाना 6) सूझना = दिमाग में आना

7) पिचकी = सिकुड़ी 8) लुभावनी = लुभाने वाली

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) बच्चे किस्से अपनी संपत्ति मानते थे?

(a) स्वयं को **(b) पेड़ को**

(c) अपनी जगह को (d) किसी को नहीं

2) यासुकी-चान को क्या रोग था?

(a) पोलियो का (b) पेड़ पर चढ़ने के लिए

(c) आपस में मिलने के लिए (d) कहीं चलने के लिए

3) तोत्तो-चान किस काम को आसान समझ रही थी?

(a) यासुकी-चान के साथ खेलना

(b) सीढ़ी लाना

(c) यासुकी-चान के साथ रहना

(d) यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाना

4) यासुकी-चान का घर इनमें से कहाँ था?

(a) तोमोए में **(b) डेनेनवोफु में**

(c) कुहोन्बसु में (d) हिरोशिमा में

5) तोत्तो-चान ने अपनी योजना का सच सर्वप्रथम किसे बताया?

(a) यासुकी-चान को (b) अपनी माँ को

(c) यासुकी-चान की माँ को **(d) रॉकी को**

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 यासुकी - चान का घर कहाँ था?

उत्तर - यासुकी - चान का घर डेनेनचोफु में था।

प्रश्न-2 "अपूर्व अनुभव" पाठ की विधा क्या है?

उत्तर – "अपूर्व अनुभव" पाठ की विधा 'संस्मरण' है।

प्रश्न-3 तोमोए में पेड़ को बच्चे कैसी संपत्ति मानते थे?

उत्तर - तोमोए में पेड़ को बच्चे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।

प्रश्न-4 तोत्तो-चान की योजना के बारे में किसे पता नहीं था?

उत्तर - तोत्तो-चान की योजना के बारे में उसकी माता को पता नहीं था।

प्रश्न-5 तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में किसे बताया?

उत्तर - तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में रॉकी को बताया।

प्रश्न-6 "देखो, अब डरना मत," ऐसा तोत्तो-चान ने किसकी आवाज़ में कहा?

उत्तर - "देखो, अब डरना मत," ऐसा तोत्तो-चान ने बड़ी बहन की - सी आवाज़ में कहा।

प्रश्न-7 तोत्तो-चान का पेड़ कहाँ था?

उत्तर - तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कोहोन्बुत्सु जानेवाली सड़क के पास था।

प्रश्न-8 तोमोए में पेड़ और बच्चों के बीच क्या संबंध है?

उत्तर - तोमोए में हरेक बच्चा बाग़ के एक - एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थीं?

उत्तर - तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ कहा था कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। असल में वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए लेकर जा रही थी। उसे डर था कि अगर उसने माँ की ओर देखा तो माँ उसकी चोरी पकड़ लेगी और उसे नहीं जाने देगी। इसी डर के कारण झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे थी।

प्रश्न-2 तोत्तो-चान ने यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए सबसे पहले क्या किया और वह असफल क्यों रही?

उत्तर - तोत्तो-चान यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए चौकीदार के छप्पर से सीढ़ी ले आई। परन्तु यासुकी - चान के हाथ - पैर इतने कमज़ोर थे कि वह पहली सीढ़ी पर भी बिना सहारे के चढ़ नहीं पाया। इस पर तोत्तो-चान नीचे उतर आई और यासुकी - चान को पीछे से धकियाने लगी। पर तोत्तो-चान थी छोटी और नाज़ुक सी, इससे अधिक सहायता क्या करती। यासुकी - चान ने अपना पैर सीढ़ी पर से हटा लिया और हताशा से सर झुकाकर खड़ा हो गया।

लेखन विभाग

विज्ञापन

विद्यालय की कलाविधि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

बाल-रामायण

पाठ-16, 17, 18, 19, 20

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-1 द्रौपदी के पुत्रों को लेकर कौन और कहाँ चला गया?
उत्तर - द्रौपदी के पुत्रों को लेकर धृष्टद्युम्न पांचाल देश चला गया।
प्रश्न-2 अर्जुन की पत्नी सुभद्रा और उसके पुत्र अभिमन्यु को कौन लेते गए और कहाँ?
उत्तर - श्रीकृष्ण अपने साथ अर्जुन की पत्नी सुभद्रा और उसके पुत्र अभिमन्यु को भी द्वारकापुरी लेते गए।
प्रश्न-3 बंदर ने अपना परिचय क्या दिया?
उत्तर – बंदर ने कहा की वह ही हनुमान है।
प्रश्न-4 भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी किससे भेंट हुई?
उत्तर - भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी हनुमान से भेंट हुई।
प्रश्न-5 भीम बंदर को लाँघना क्यों नहीं चाहते थे?
उत्तर - भीम बंदर को लाँघना इसलिए नहीं चाहते थे क्योंकि किसी जानवर को लाँघना अनुचित कहा गया है।
प्रश्न-6 भीम की बातों को सुनकर बंदर ने क्या कहा?
उत्तर – बंदर बोला-"देखो भाई, मैं बूढ़ा हूँ। कठिनाई से उठ-बैठ सकता हूँ। ठीक है, यदि तुम्हें आगे बढ़ना ही है, तो मुझे लाँघकर चले जाओ।"
प्रश्न-7 बंदर ने अपना परिचय क्या दिया?
उत्तर – बंदर ने कहा की वह ही हनुमान है।
प्रश्न-8 भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी किससे भेंट हुई?
उत्तर - भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी हनुमान से भेंट हुई।
प्रश्न-9 भीम बंदर को लाँघना क्यों नहीं चाहते थे?
उत्तर - भीम बंदर को लाँघना इसलिए नहीं चाहते थे क्योंकि किसी जानवर को लाँघना अनुचित कहा गया है।
प्रश्न-10 भीम की बातों को सुनकर बंदर ने क्या कहा?
उत्तर – बंदर बोला-"देखो भाई, मैं बूढ़ा हूँ। कठिनाई से उठ-बैठ सकता हूँ। ठीक है, यदि तुम्हें आगे बढ़ना ही है, तो मुझे लाँघकर चले जाओ।"
प्रश्न-11 धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को वन जाने की अनुमति क्यों दे दी?
उत्तर – दुर्योधन ने विश्वास दिलाया कि पांडव जहाँ होंगे, वहाँ वे सब नहीं जाएँगे और बड़ी सावधानी से काम लेंगे। विवश होकर धृतराष्ट्र ने अनुमति दे दी।
प्रश्न-12 युधिष्ठिर ने नकुल को दखने के लिए किसे भेजा?
उत्तर- युधिष्ठिर ने नकुल को दखने के लिए सहदेव को भेजा।
प्रश्न-13 सहदेव को देखने के लिए युधिष्ठिर ने किसको भेजा?
उत्तर- सहदेव को देखने के लिए युधिष्ठिर ने अर्जुन को भेजा।
प्रश्न-14 पानी पीने के बाद चारों भाईयों के साथ क्या हुआ?
उत्तर- पानी पीने के बाद चारों भाई अचेत होकर गिर पड़े।
प्रश्न-15 युधिष्ठिर ने सबसे पहले पानी लाने किसे भेजा?
उत्तर – युधिष्ठिर ने सबसे पहले पानी लाने अपने भाई नकुल को भेजा।
प्रश्न-16 यक्ष के कहने पर युधिष्ठिर ने अपने किस भाई को जीवित करने को कहा?
उत्तर – यक्ष के कहने पर युधिष्ठिर ने अपने छोटा भाई नकुल को जीवित करने को कहा।